कृष्ण पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 219 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
03 फरवरी 2025 सोमवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
12 न्यूनतम

Page-7

टैक्स पर भारी पड़ा ट्रंप का टैरिफ वार, शेयर बाजार में मचा हाहाकार

सेंसेक्स व निफ्टी में भारी गिरावट, बजट के खुशनुमा वादों से बेअसर बाजार

मुंबई, एजेंसी

देश का आम बजट पेश होने के बाद शेयर बाजार से जो उम्मीद थी वह पूरी नहीं हुई बल्कि आज पहले कारोबारी दिन बाजार बड़ी गिरावट लेकर खुला। दरअसल बजट में किए गए तमाम बड़े ऐलानों का असर दिखने की उम्मीद की जा रही थी। आज सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स बुरी तरह टूटकर ओपन हुए हैं। सेंसेक्स तो खुलने के साथ ही 700 अंक तक फिसल गया, तो निफ्टी भी 200 अंक से ज्यादा टूटकर कारोबार करने लगा। आम बजट में मोदी सरकार द्वारा 12 लाख रुपये तक की इनकम को टैक्स फ्री करने समेत अन्य बड़े ऐलानों का असर भी बाजार पर नहीं दिख रहा है। बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर का असर ग्लोबल मार्केट की तरह ही भारतीय शेयर बाजार पर भी छा गया है। माना जा रहा है कि इसके चलते ही सेंसेक्स बजट वाले दिन के बंद 77,505.96 की तुलना में आज गिरकर 77,063.94 के लेवल पर ओपन हुआ और कुछ ही देर में 700 अंक से ज्यादा फिसलकर 76,774.05 पर पर आ गया। उल्लेखनीय है कि शनिवार को बजट पेश होने के दिन शेयर बाजार खुला था, लेकिन दिनभर सेंसेक्स-निफ्टी ने सुस्ती में कारोबार ही किया था और अंत में फ्लैट लेवल पर क्लोज हुआ। तब सेंसेक्स 77,637 अंक पर खुला और कारोबार के अंत में 5.39 अंक की मामूली तेजी लेकर 77,506 पर बंद हुआ था। उस दिन निफ्टी 26.25 अंक फिसलकर 23,482.15 पर बंद हुआ था।

ग्लोबल मार्केट का मूड खराब

दरअसल ग्लोबल मार्केट बाजार का मूड बिगडता नजर आ रहा हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा , मैक्सिको और चीन पर टैरिफ लगाने का फैसला किया है। यूएस टैरिफ वार के बाद दुनियाभर के बाजारों में कमजोरी देखने को मिल रही है। अमेरिकी मार्केट के प्रमुख इंडेक्स डाओ फ्यूचर्स में 550 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ, तो वहीं डाऊ जोन्स 337 अंक गिरकर बंद हुआ। ट्रंप शपथ लेने के बाद से ही टैरिफ की पॉलिसी पर आगे बढ़ रहे हैं। कनाडा, मेक्सिको और चीन पर टैरिफ लगाए जाने के बाद अब ट्रंप ने यूरोपियन यूनियन पर टैरिफ लगाने की बात कही है। इस बीच कनाडा ने अमेरिकी टैरिफ पर जवाबी कार्रवाई करते हुए 155 अरब डॉलर के अमेरिकी आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इससे पहले 2018 में राष्ट्रपति रहते हुए ट्रंप ने यूरोपियन यूनियन से इंपोर्ट होने वाले एल्यूमिनियम स्टील पर टैरिफ लगा दिया था।

सिंहस्थ में नए सिरे से प्रबंधन के मार्ग खोज रही सरकार

कुंभ का सबक: जापान से सीधे उज्जैन लैंड हुई सरकार की फिक्र

अतिरिक्त मुख्य सचिव राजौरा ने उज्जैन में 8 बैठकें लीं, मेला क्षेत्र का लिया जाएजा

भोपाल.दोपहर मेट्रो

अब निवेश महाकुंभ की तैयारियों में व्यस्त मप्र सरकार प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे के बाद दूसरे मोर्चे पर भी एक्शन में नजर आने लगी है। लिहाजा सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर अब नये सिरे से भीड प्रबंधन व इससे जुड़ी व्यवस्था पर विचार होने लगा है। मुख्यमंत्री के एसीएस राजेश राजौरा कल से उज्जैन में हैं और उन्होंने लगातार 8 बैठकें लेकर जरूरी विचार विमर्श किया है। उनकी बैठकें करीब 10 घंटे चली। इनमें सभी कामों को पूरा करने की डेडलाइन नए सिरे से तय की गई है। बताते हैं कि उन्होंने अफसरों से कहा है कि हर काम समय पर होना चाहिए। इसमें गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। जो काम ठीक से नहीं कर पाएंगे, उनकी अलग से जिम्मेदारी तय होगी। आज दोपहर वे सिंहस्थ मेला क्षेत्र में जाकर मैदान पर काम का मुआयना भी कर रहे हैं। दोपहर बाद वे उज्जैन संभाग के जनप्रतिनिधियों से तैयारियों व अन्य विषयों को लेकर सुझाव भी लेंगे। दरअसल सूत्रों का कहना है कि प्रयागराज में भगदड़ हादसे के बाद मप्र सरकार ने सभी इंतजामों को फिर से परखने का निर्णय लिया है।

उज्जैन सिंहस्थ में भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए मौजूदा रेलवे स्टेशनों के अलावा 3 नए सेटेलाइट स्टेशन बनाने की भी तैयारी चल रही है। इन पर कुल 5 प्लेटफार्म होंगे। इनकी मदद से ज्यादा से ज्यादा विशेष ट्रेनें चलाईं जाएंगी, जिनकी मदद से श्रद्धालुओं को सिंहस्थ में आने-जाने के अवसर मिल सकेंगे। राजौरा ने सबसे पहले निर्माण विभागों की बैठकें की। जिसमें पीडब्ल्यूडी, सड़क विकास निगम, सीपीडब्ल्यूडी के प्रमुखों को बुलाया और पूर्व से तय कामों की प्रगति जानी। जिसमें कहा कि सभी काम समय से पूरे करें, लेकिन जल्दबाजी के चलते किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। इसी तरह स्वास्थ्य, जल संसाधन, गृह, नगरीय प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, परिवहन, ऊर्जा, संस्कृति पर्यटन एवं धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग के प्रमुखों से चर्चा की है।

जापान में ही जारी थी सिंहस्थ की फिक्र

बताया जाता है कि जापान यात्रा के दौरान ही प्रयागराज हादसे की खबर के बाद सीएम व राजौरा के बीच सिंहस्थ के इंतजामों को नये सिरे से कसने पर चर्चा होने लगी थी। इसलिए राजौरा सीएम के साथ जब शनिवार को दिल्ली पहुंचे तो अगले दिन मुख्यमंत्री ने उन्हें भोपाल के बजाए सीधे उज्जैन पहुंचने को कहा। दरअसल जापान दौरे के दौरान प्रयागराज कुंभ में जो हादसा हुआ, उसमें मप्र के भी श्रद्धालुओं को भी फंसना पडा है। इसके चलते सीएम व एसीएस के बीच चर्चा हुई और सीएम ने उन्हें भोपाल की बजाए इंदौर के रास्ते उज्जैन भेज दिया था।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के नवीन परिसर भवन का भूमि पूजन भोपाल में किया यह लिंक रोड तीन पर बनेगा।

दिनभर में दो करोड़ लोगों के डुबकी लगाने का अनुमान

महाकुंभ का आखिरी अमृत स्नान साधुओं को देखने उमड़े श्रद्धालु

प्रयागराज, एजेंसी

आज वसंत पंचमी पर महाकुंभ का तीसरा और अंतिम अमृत स्नान पूरे उत्साह से जारी है। मगर पिछले हादसे से सबक लेते हुए पूरी चौकसी भी चल रही है। मेला स्थल पर हाथों में तलवार-गदा, डमरू और शंख तथा शरीर पर भभूत लपेटे साधुओं को देखा जा रहा है। कुछ की आंखों पर काला चश्मा था व घोड़े और रथ की सवारी भी। जयघोष करते हुए साधु-संत स्नान के लिए संगम पहुंचते रहे। आज सुबह सबसे पहले पंचायती निरंजनी अखाड़े के संत संगम पहुंचे। फिर सबसे बड़े जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने अमृत स्नान किया। एक-एक करके 13 अखाड़े स्नान कर रहे हैं। साधुओं का आशीर्वाद लेने लाखों श्रद्धालु संगम तट पर जमा हैं। 20 से ज्यादा देशों के लोग भी अमृत स्नान देखने के लिए संगम पहुंचे हैं। हेलिकॉप्टर से संगम पर पुष्प वर्षा की जा रही है। आज संगम जाने वाले सभी रास्तों पर 10 किमी तक श्रद्धालुओं का रेला है। प्रयागराज जंक्शन से करीब दस किमी पैदल चलकर लोग संगम पहुंच रहे हैं। भीड़ देखते हुए लेटे हनुमान मंदिर को बंद कर दिया गया है। आज मेला क्षेत्र के सभी रास्ते वन-वे हैं। आज क्राउड मैनेज करने ऑपरेशन 11 चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह योजना बनाई गई है, जिसकी निगरानी सुबह 3.30 बजे से खुद सीएम योगी लखनऊ में वरिष्ठ अफसरों के साथ कर रहे हैं। लावा पांटून पुलों पर मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न आए, इसका भी विशेष इंतजाम किया गया है। त्रिवेणी के घाटों पर अत्यधिक दबाव रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल लगाया है। इस महाकुंभ में अब तक 35 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं और आज सुबह ग्यारह बजे तक ही करीब 90 लाख लोगों ने डुबकी लगाई है।

महाकुंभ हादसे पर संसद में हंगामा

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र में आज विपक्ष ने लोकसभा में महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों को लेकर जमकर हंगामा किया। विपक्षी सांसदों ने स्पीकर से कहा कि सरकार भगदड़ से हुई मौतों का सही आंकड़ा जारी करे। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा- राष्ट्रपति ने अपनी स्पीच में महाकुंभ का भी जिक्र किया है। अभी प्रश्नकाल है, इसलिए इस समय दूसरे किसी भी विषय पर चर्चा नहीं हो सकती। आज लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बजट पर बहस की शुरुआत कर सकते हैं। माना जा रहा है कि वे केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे। राहुल का पहले से ही कहना है कि यह बजट बुलेट इंजरी पर बैंड-एड लगाने जैसा है।

मप्र के कई इलाकों में बारिश के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इन दिनों मध्यप्रदेश में सुबह और रात में ठंड का असर है, जबकि दिन में धूप चुभ रही है। इसके साथ अब कोहरा भी छा रहा है। ग्वालियर, नीमच, मुरैना, श्योपुर, मंदसौर और भिंड में कोहरे का सर देखा जा रहा है। ऐसा ही मौसम कल भी था और आज भी सुबह रहा। उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में कोहरा छाया है। मौसम विभाग के मुताबिक, तीन दिन बाद प्रदेश में दिन-रात के पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है, जबकि 12, 13 और 14 फरवरी को बारिश होने का अनुमान भी है। बीते चौबीस घंटे में बैतूल, गुना, खंडवा, रतलाम, शिवपुरी, दमोह, जबलपुर, नौगांव, रीवा, और मलाजखंड में भी पारा थोडा लुढ़क गया।

आज दिल्ली में चुनाव प्रचार का आखिरी दिन

नईदिल्ली, दोपहर मेट्रो

आज दिल्लीविधानसभा चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है। सभी पार्टियां शाम 5 बजे तक प्रचार कर पाएंगी। दिल्ली की सभी 70 सीटों पर 5 फरवरी को एक चरण में वोटिंग होगी। भाजपा की तरफ से अमित शाह और जेपी नड्डा मिलकर आज पांच रैलियां करेंगे। वहीं आम आदमी पार्टी की तरफ से अरविंद केजरीवाल, संजय सिंह और भगवंत मान मिलकर 3 जनसभा और 6 रोड शो करेंगे। दिल्ली में 5 फरवरी को सभी 70 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं, 8 फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे। 70 विधानसभा सीटों के लिए कुल 699 उम्मीदवार मैदान में हैं।

कांग्रेस नेता के बेटे ने खुदकुशी की

पटना, एजेंसी। बिहार में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान के बेटे ने खुदकुशी कर ली है। उसने पटना के सरकारी आवास पर खुदकुशी की है। कांग्रेस नेता के बेटे का नाम अयान था और उसकी उम्र 18 साल थी। अभी कांग्रेस विधायक शकील खान फिलहाल बिहार से बाहर हैं। उनका सरकारी आवास सचिवालय थाना क्षेत्र में है। पुलिस के बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर अब पूछताछ के लिए नोटिस जारी करेगी लोकायुक्त पुलिस

सौरभ की फरारी में मदद करने वाले का खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आय से अधिक संपत्ति के मामले में लोकायुक्त पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की फरारी के दौरान मदद करने वाले का खुलासा हो गया है। जानकारी के मुताबिक पूछताछ के दौरान सौरभ ने अपने उस रिश्तेदार का नाम बता दिया है, जिसने फरारी के दौरान दिल्ली और नोएडा में उसके रहने की व्यवस्था की थी। लोकायुक्त पुलिस अब उस रिश्तेदार से भी पूछताछ करेगी. इसके लिए नोटिस जारी किया जा रहा है। लोकायुक्त पुलिस ने पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ के ठिकानों पर दिसंबर महीने में छापेमारी की थी। इस दौरान बड़ी मात्रा में आभूषण, नकदी और करोड़ों रुपये की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज जब्त हुए थे। बीती 28 जनवरी को पुलिस ने सौरभ शर्मा को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लियाहै। उसके साथ ही सहयोगी शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौर को भी गिरफ्तार हैं। अभी तीनों से लोकायुक्त कार्यालय में पूछताछ चल रही है।

बताया जाता है कि पूछताछ के दौरान सौरभ विदेश से वापस कब और कहां लौटा और देश लौटने के बाद किसकी मदद से कहां-कहां रहा, इसकी जानकारी नहीं दे रहा था मगर पांचवें दिन उसे उस रिश्तेदार की नाम बताया, जिसने दिल्ली और नोएडा में उसके रहने और खाने की व्यवस्था की थी. प्रापर्टी की बिक्री पर लग चुकी है रोक सौरभ शर्मा के ठिकानों से जब्त हुए प्रापर्टी को खुर्द-बुर्द करने से बचाने के लिए लोकायुक्त ने जिला पंजीयकों को पहले ही पत्र लिख दिया है। दस्तावेजों में मिली प्रत्येक प्रापर्टी की जानकारी पंजीयकों को उपलब्ध करवा दी गई है ताकि उनकी दोबारा से रजिस्ट्री नहीं करवाई जा सके। शरद जायसवाल और चेतन सिंह ने किसी प्रकार के खुलासे नहीं किए हैं।

हर महीने 4 लाख किराया: लोकायुक्त पुलिस सूत्रों ने बताया कि सौरभ शर्मा के पास हर महीने 4 लाख रुपये किराया आता था। यह किराया उसकी प्रापर्टियों से मिल रहा था. ग्वालियर में स्थित प्रापर्टी का किराया लेने के लिए उसने कर्मचारी नियुक्त कर रखा था। सौरभ समेत तीनों की रिमांड अवधि 4 फरवरी तक है। पूछताछ के दौरान सौरभ ने प्रॉपर्टी खरीदने के लिए फाइनेंस करने वालों के नामों का खुलासा नहीं किया है. इसके साथ ही लोकायुक्त के ऐसे दर्जनों सवाल हैं, जिनके जवाब उसने नहीं दिए हैं. इसलिए अब लोकायुक्त पुलिस उसकी रिमांड अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन लगा सकती है।

कंपनियों की जानकारी खंगाली

सौरभ से अब लंबी पूछताछ के दौर है। सौरभ से उसकी कंपनियों- अविरल इंटरप्राइजेज, अविरल कंस्ट्रक्शन कंपनी, अविरल फिशरीज और अविरल पेट्रोल पंप की आय के तमाम स्रोतों के बारे में जानकारी ली गई है। सभी कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों का डेटा भी लोकायुक्त के अधिकारी तैयार कर रहे हैं। लोकायुक्त की टीम तीन दिन पहले सौरभ के घर और ऑफिस से ऑडिट रिपोर्ट भी जब्त कर चुकी है, जिनकी जांच की जा रही है।

शहर की सड़कों पर यहां-वहां खड़े हो रहे वाहन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर की सड़कों पर बड़ी और महंगी लग्जरियस गाड़ियां दनादन दौड़ रही हैं. इन्हें चलाने वाले भी अच्छे-खासे रईस हैं. लेकिन, हैरानी की बात यह है कि ये लोग पार्किंग के 30 रुपये भी नहीं दे पा रहे. अगर आप घर से मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की सड़कों पर किसी काम के लिए निकल रहे हैं तो पर्याप्त समय लेकर निकलिए. क्योंकि, यहां हर जगह जाम लगना आम बात है. एमपी नगर जोन-1 सहित समेत हर महत्वपूर्ण इलाके में सड़कें पार्किंग में तब्दील हो गई हैं. नगर निगम की 'नो पार्किंग' की हिदायत और यह बात चस्पा की गई है कि 'गाड़ियां यहां पार्क न करें, मल्टीलेवल पार्किंग में ले जाएं, यहां पार्किंग गैरकानूनी है.' इसके बावजूद लोग नो पार्किंग के बोर्ड के सामने ही सबसे ज्यादा गाड़ियां नजर आती हैं।

कुंभ की वजह से बढ़ी भीड़, इधर-उधर गाड़ी खड़ी करने पर कट रहा चालान

रेलवे स्टेशन पर मेट्रो लाइन की वजह से पार्किंग व्यवस्था हुई अस्त-व्यस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर सबसे अधिक यात्री हमीदिया रोड से लगे प्लेटफार्म नबर छह की ओर से आवागमन करते हैं। जबकि प्लेटफार्म छह पर मेट्रो लाइन का काम शुरु होने से दो पहिया व चार पहिया वाहनों की पुरानी पार्किंग व्यवस्था बंद कर दी गई है। यात्रियों ने स्टेशन के बाहर खुले में वाहन खड़ा किया तो चालान कट जाएगा। पिछले कुछ दिनों से सैकड़ों लोगों के चालान कट चुके हैं। इतना ही नहीं ट्रैफिक पुलिस की क्रेन गाड़ी उठाकर ले जा रही है। जब प्लेटफार्म का निरीक्षण किया तो स्टेशन पर पार्सल ऑफिस के पास टेप्रेरी पार्किंग व्यवस्था हाल ही में शुरू की गई है,जो कि प्लेटफार्म पर आने वाले सभी वाहनों का निकासी मार्ग बनाया गया है। कुंभ स्नान के चलते इन दिनों प्लेटफार्म का पूरा परिसर यात्रियों से भरा है। अल्पना तिराहे से लेटफार्म तक बाहर एक साइड पर मेट्रो स्टेशन निर्माण को लेकर शेड लगे होने से परिसर के अंदर और समांतर रोड से गाडिया स्टेशन पर नहीं पहुंच पा रही थी। जहां से वाहन निकासी है, वहां हाल में शुरू हुई पार्किंग के बेरियर लगे हुए हैं।

लोगों ने बताया कि मेट्रो का काम लबे समय तक चलना है। टेप्रेरी पार्किंग व्यवस्था भी हाल में शुरू की गई है, लेकिन ऑटो वालों का जमघट प्लेटफार्म पर समस्या बना हुआ है। जिससे यात्री के साथ उन्हे छोड़ने के लिए आने वाले भी परेशान हो रहे हैं। वैकाल्पिक व्यवस्था यहां होना चाहिए। छह नबर प्लेटफार्म पर व्यवस्था बनाने के लिए वसूली का खेल चल रहा है। बाहर वाहन पार्क करने पर ट्रैफिक क्रेन उसे उठाकर ले जा रही है। चालान कट रहे हैं। अंदर से निकलने पर पार्किंग वाले शुल्क मांग रहे हैं। यहां व्यवस्था करने वाले सिर्फ वसूली करने में जुटे हैं।

निकलने वालों से लिया जा रहा पार्किंग शुल्क

प्लेटफार्म से वाहन चालकों को निकलने के लिए पार्सल साइड के रास्ते से निकलने पर उन्हे पार्किंग की शुल्क की पर्ची और पैसा मांगा जा रहा है। पार्किंग वालों से बहस करते वाहक चालक का कहना है कि जब मैंने गाड़ी प्लेटफार्म पर रोकी ही नहीं है तो पार्किंग शुल्क किस बात का लिया जा रहा है।

चार दिन पहले शुरू हुई अस्थाई पार्किंग

यहां गेट के पास ऑटो वालों का जमघट भी लोगों के लिए समस्या बना हुआ है। प्लेटफार्म के प्रवेश गेट के पास सड़क के दोनों कतार में खड़े हो रहे है। इनके बीच ही अन्य ऑटों भी सवारियों को उतारें और बैठाने के लिए रुक रहे है। इससे निजी वाहनों का आवागमन प्लेटफार्म पर मुश्किल हो गया है। बाहर वाहन पार्क करने से चालान कट रहा है। दिक्कत को देखते हुए बताया चार दिन पहले ही रेलवे ने टेप्रेरी पार्किंग का ठेका दिया है। इससे वाहन पार्किंग करने वालों को राहत तो कुछ हद तक मिली है, लेकिन कुंभ के चलते यात्रियों की भीड़ अधिक है। यहां टेप्रेरी पार्किंग स्पॉट तक लोग वाहन लेकर मुश्किल से पहुंच रहे थे।

जून से शुरूआत के आसार

पहली इंटरनेशनल फ्लाइट का गंतव्य बदला, अब जेद्दा जाएगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब राजा भोज एयरपोर्ट पर पहली इंटरनेशनल फ्लाइट दुबई के लिए नहीं, बल्कि जेद्दा के लिए उड़ान भरेगी। पहले इंडिगो ने दुबई के लिए फ्लाइट शुरू करने का प्लान बनाया था। लेकिन, अब सर्वे के बाद कंपनी का कहना है कि शहरवासी सबसे ज्यादा उमरा करने के लिए सउदी अरब के जेद्दा जाते हैं।

लिहाजा इसी आधार पर कंपनी जून में पहली इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू कर सकती है। इसके अलावा एयर इंडिया एक्सप्रेस भी इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू कर सकती है। बताया जाता है कि राजा भोज एयरपोर्ट पर जून में ही अराइवल भी ग्राउंड फ्लोर पर शुरू हो जाएगा। अभी अराइवल और डिपार्चर दोनों ही फर्स्ट फ्लोर पर हैं। मार्च में एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक साथ चार स्थानों के लिए फ्लाइट्स शुरू करने के बाद से भोपाल से उड़ानों की संख्या कुल 22 हो जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि अभी फर्स्ट फ्लोर पर अराइवल और डिपॉर्चर है, जिसकी वजह से ट्रैफिक प्रबंधन बिगड़ जाता है। यात्रियों की सुविधाओं को देखते हुए दिल्ली, मुंबई के एयरपोर्ट की तर्ज पर यहां अराइवल अलग से ग्राउंड फ्लोर पर तैयार हो रहा है। इसे जून में शुरू करने की तैयारी है।

सिंधी कलाकारों, साहित्यकारों ने भगवंती नावाणी को याद किया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्था 'सिंधू' ने गायिका और अभिनेत्री भगवंती नावानी के 85वें जन्मदिन पर संगीत संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें संतनगर के सिंधी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। दीपमाला पगारानी संस्कार पब्लिक स्कूल परिसर में सिंधी गायिका मधु मोहनानी, दिशा चांडवानी, सुमन हरचंदानी, द्रौपदी चंदनानी, जया चौधरी और दीप्ति सिधवानी अपनी प्रस्तुतियां दीं। साथ ही कवयित्रियां शोभा लेखवानी, द्रौपदी चंदनानी, भारती आसूदानी, चित्रा चेलानी और हिमांशी लालवानी भी अपनी रचनाएं सुनाई। चांडवानी, सुमन हरचंदानी, द्रौपदी चंदनानी, जया चौधरी और दीप्ति सिधवानी ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में समीक्षा लच्छवानी की लिखी कहानी पोढ़ा गोढ़ा पर आधारित नृत्य और मिमिक्री की प्रस्तुति भी हुई,जिसे लोगों ने खुब सराहा। मिमिक्री में याशिका बिनवानी, प्रेरणा बेलानी, अक्षिता माधवानी और चाहत कृपलानी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार वरिष्ठ साहित्यकार और गायक नारी लच्छवाणी समेत बड़ी संख्या में कलाकार, साहित्यकार मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कविता चांडवानी ने किया।

फोटो- नावाणी जयंती

तुलसी के पौधों का वितरण आज से होगा

हिरदाराम नगर । बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि तुलसी दिवस पर 14 फरवरी तक समिति निशुल्क तुलसी के पौधों का वितरण कर रही है। समिति कार्यकर्ता तीन फरवरी से घर-घर जाकर लोगों को तुलसी के पौधे भेंट करेंगे। साथ ही जिसे तुलसी के पौधे चाहिए वह समिति के अर्चक पुरोहित राज कुमार गर्ग 9893134754, गुरदास रामचंदानी 7000196687, कमलेश देवानी 7470822287 एवं राजेश केवलानी 7000587600 से सम्पर्क कर सकता है।

सुबह की ट्रेनों में करंट टिकट लेना आसान, रात में ही चार्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बदलाव: भोपाल मंडल में प्रीमियम ट्रेनों से शुरुआत

सुबह की ट्रेनों में करंट टिकट की झंझट समाप्त होगी। भोपाल रेल मंडल यात्रियों को आरक्षण टिकट चार्ट की करंट स्थिति की जानकारी समय से पहले देगा। अभी ट्रेनों में करंट टिकट की स्थिति आरक्षण चार्ट के बाद साफ होती है। यात्री ट्रेन छूटने के 5 मिनट पहले तक आरक्षण कर सकते हैं। रेलवे फाइनल चार्ट रात 9 बजे तक अपलोड करेगा। मंडल के स्टेशनों से जाने वाली 6 ट्रेनों में यह सुविधा 1 माह में शुरू होगी।

सॉफ्टवेयर में बदलाव शुरू

रेलवे ने सॉफ्टवेयर में बदलाव शुरू किया है। भोपाल मंडल के स्टेशनों से जाने वाली वंदे भारत व प्रीमियम ट्रेनों में लाभ मिलेगा। पहले वंदे भारत, जनशताब्दी, इंटरसिटी में यह लागू होगा। अभी रेलवे सुबह 9 बजे से पहले की ट्रेनों का चार्ट रात 1 बजे देता था। अब रात 9 बजे जारी करेगा।

लक्ष्मीनारायण पूजन व अभिषेक, सभी की खुशहाली की कामना

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सर्व ब्राह्मण साधु संत गौ रक्षा उत्थान समिति द्वारा दो दिवसीय श्री लक्ष्मीनाराण पूजन, अभिषेक का आयोजन किया गया। खाती धर्मशाला, हलालपुरा में रविवार को विघ्नेश्वर पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विघ्नेश्वर पूजन, रूद्र अभिषेक और श्री यंत्र का अर्चन दोपहर में किया गया। वहीं, शाम को हवन और महाआरती की गई। पंडित रघुवीर प्रसाद चौबे ने बताया कि जनकल्याण एवं सुख शांति के लिए हर साल यह आयोजन किया जाता है। समिति का यह 16वां वर्ष है। कार्यक्रम में मनोज वर्मा, निलेश दुबे, अभिषेक शर्मा, दीपा शर्मा, अज गुर्जर, भूपत पटेल, लखन गुर्जर, संजय सोनी, सरिता सोनी, श्रीराम कुशवाह, भोले गुर्जर, फुलसिंह गौर, संतोष लोधी आदि उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर स्वर नाद संगम प्रताप भाग घोष का वार्षिकोत्सव 2025 कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

शाखा से शुरू होता है संघ को आगे बढ़ाने का कार्य, महाकुंभ में 16 हजार स्वयंसेवक तैनात : जगदीश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ मध्यभारत प्रान्त, भोपाल की ओर से मित्तल कॉलेज परिसर में स्वर नाद संगम प्रताप भाग घोष का वार्षिकोत्सव 2025 कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रताप जिले के 110 प्रकट वादकों ने वाद्ययंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में अखिल भारतीय शारीरिक शिक्षक प्रमुख जगदीश प्रसाद बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित हुए। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध बांसुरी वादक अभय फागरे ने की। कार्यक्रम में भोपाल विभाग संघचालक सोमकांत उमालकार, प्रताप जिला संघ चालक दिलीप भूरानी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय शारीरिक शिक्षक प्रमुख जगदीश प्रसाद ने कहा कि वर्ष 2025 में संघ अपनी 100 वर्ष की यात्रा पूरी कर लेगा। हमने देखा कि कई संस्था आई और चली गई लेकिन संघ आज भी चल रहा है और आगे ब? रहा है। इस संघ को आगे ब?ाने का कार्य शुरू होता है शाखा से। यहां खेल, व्यायाम जैसी गतिविधि और बौद्धिक विषयों पर चर्चा की जाती है। जगदीश प्रसाद ने कहा कि स्वयंसेवक प्रयागराज महाकुंभ में भोजन व्यवस्था सहित स्वास्थ्य शिविर का संचालन तो कर ही रहे थे। इसके अलावा अब 16 हजार स्वयंसेवकों के समूह ने परिवहन व्यवस्था का जिम्मा संभाला है। स्वयंसेवकों का सेवा का यही भाव उन्हें अलग बनाता है।

पंच परिवर्तन के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ: जगदीश प्रसाद ने कहा कि अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने पंच परिवर्तन के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। संघ स्व, समरसता, पर्यावरण, कर्तव्य और समाज परिवर्तन के लक्ष्य को लेकर कार्य करेगा और विकसित भारत और विश्व गुरु बनाने का लक्ष्य प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि जब स्वयंसेवकों ने वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति देना आरंभ किया तो उन्होंने भारतीय राग, रचना का स्वदेशीकरण का क्रम शुरू किया। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि संघ द्वारा तैयार की 42 रचनाओं को भारतीय नौ सेना के दल सम्मिलित किया और इसकी प्रस्तुति आरंभ की। 90 प्रतिशत स्वयंसेवक आज के समय में वेणु (बांसुरी का एक प्रकार) बजाते हैं। उन्होंने कहा कि वेणु बजाने की खास बात यह है कि यह न सिर्फ मन को शांति देती है बल्कि इससे हमारे फेफ? मजबूत रहते और शरीर स्वस्थ रहता है।

मेरे संगीत की शुरुआत भी घोष कार्यक्रम के माध्यम से हुई : कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बांसुरी वादक अभय फगरे ने कहा कि लगभग 45 वर्ष बाद उन्हें इस तरह के घोष कार्यक्रम में आने का अवसर मिला है। एक समय जब मैं भी कभी इन्हीं प्रकट वादकों की भांति सामने की पंक्ति में बैठा था। अभय ने कहा कि मेरे संगीत की शुरुआत भी घोष कार्यक्रम के माध्यम से हुई थी। मुझे इस बात का अभिमान है कि मुझे आदरणीय गुरु गोलवलकर समक्ष प्रस्तुति देने का अवसर मिला है। प्रकट वादकों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि इतने कम समय में जिस ढंग से आप सभी ने संगीत को सीखा है यह प्रशंसनीय है।

अमानक दवाओं पर अंकुश के लिए अब हर बैच का रैंडम सर्वे होगा

नियम बनाए सख्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में कृषि भूमि की रजिस्ट्री के तत्काल बाद नामांतरण करने की सुविधा देने का वादा अभी अधूरा ही नजर आ रहा है। दरअसल, संपदा 2.0 पोर्टल शुरू करने के बाद पंजीयक विभाग की तरफ से कहा गया था कि जैसे ही रजिस्ट्री होगी, उसके साथ फार्म नंबर 7 भरा जाएगा और नामांतरण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मगर ऐसा नहीं हो रहा है। कई ऐसे मामले हैं, जो एक खसरे को अलग-अलग भाग में बेचे जा रहे हैं। यानी आपका एक खसरा है और उसको चार भाग करके बेचा तो ऐसे मामले नामांतरण में अटक जाते हैं। यह हाल पूरे प्रदेश का है और ऐसे करीब 17 हजार मामले अटके हैं, जिनमें ऑनलाइन नामांतरण का आवेदन किया गया था।

दूसरी तरफ प्रदेश के चार महानगर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में प्लॉट, मकान और फ्लैट पर रजिस्ट्री के बाद ऑनलाइन नामांतरण का ट्रायल चल रहा है। लेकिन इनके आवेदन भी उलझ रहे हैं। इस बारे में जब पंजीयन विभाग के अफसरों का कहना है कि तत्काल नामांतरण सुविधा कृषि भूमि पर शुरू हो गई है, लेकिन प्लॉट पर ट्रायल चल रहा है। तर्क यह भी आ रहा है कि अब पंजीयन विभाग की तरफ से राजस्व और नगरीय प्रशासन दोनों को नामांतरण मामले ट्रांसफर किए जा रहे हैं। वहीं पर पेंडिंग हो रहे हैं। दरअसल, संपदा 2.0 आने के बाद रजिस्ट्री तो तत्काल हो रही है, लेकिन कृषि भूमि के नामांतरण के लिए ऑफलाइन आवेदन करने पड़ रहे हैं, जिसमें एक से तीन माह का समय लग रहा है।प्लॉट, मकान और फ्लैट के ऑनलाइन नामांतरण आवेदन करने के बाद दोबारा ऑफलाइन करने पड़ रहे हैं। प्लॉट, मकान और फ्लैट की रजिस्ट्री में भी दिक्कत आ रही है। क्योंकि जियो टैगिंग गलत करने से इनकी लोकेशन अलग दिखाई देती है और ऐसे में ऑनलाइन फार्म नहीं भरे जा रहे हैं। इस कारण वेंडर संपदा 1.0 का ही इस्तेमाल कर रहे हैं।

छात्रों को मिलेगी लैपटाप के लिए राशि, स्कूटी मिलेगी टापर्स को

जापान से लौटे सीएम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सरकारी स्कूलों में 12वीं क्लास में 75त्न से ज्यादा अंक लाने वाले स्टूडेंट्स को जल्द ही लैपटॉप के लिए राशि मिलने वाली है। वे स्टूडेंट्स जिन्होंने 12वीं में अपने सरकारी स्कूल में टॉप किया हैं, उन्हें भी सरकार स्कूटी देने जा रही है। सीएम मोहन यादव ने जापान यात्रा से लौटने के बाद इस योजना को लेकर बनी असमंजस की स्थिति को साफ किया है और कहा कि हम लगातार सभी वर्गों के लिए सभी योजनाओं पर काम कर रहे हैं। हमने हमारी सरकार की किसी योजना के मूल स्वरूप को न तो बदलने दिया है। न उस संबंध में कोई ढील दी है।

सीएम ने कहा कि विद्यार्थी वर्ग में हम बहुत जल्द लैपटॉप की राशि देने वाले हैं। साथ ही साथ स्कूल स्तर पर जो प्रावीण्य सूची में निकले हैं अपने हायर सेकेंडरी स्कूल से, ऐसे बच्चों को हम स्कूटी भी देने जा रहे हैं। हमारी जो योजना है उसके अनुसार हम बच्चों को सौगात देंगे। इससे पहले सीएम ने लैपटॉप और स्कूटी के सवाल पर कहा था कि जो योजना एक साल के लिए थी वो तो एक साल के लिए ही रहेगी। इसे लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर हो गया था। स्टेट हैंगर पर हुआ सीएम का स्वागत जापान की यात्रा से लौटने के बाद रविवार रात में भोपाल में स्टेट हैंगर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत करने मंत्री गौतम टेटवाल, धर्मेन्द्र लोधी, विधायक भगवानदास सबनानी, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, पूर्व मंत्री रामनिवास रावत, मेयर मालती राय पहुंचे। सीएम के साथ दिल्ली से बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी भोपाल पहुंचे।

सीएम ने दिया उमंग के जापानी भाषा में लिखे पत्र का जवाब

बोले- योजना में बदलाव का सवाल ही नहीं, स्कूटी देंगे, लैपटाप की राशि भी मिलेगी

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के जापानी में लिखे पत्र का जवाब दिया है। कहा कि किसी योजना में बदलाव होगा। प्रतिभावान छात्रों को स्कूटी देंगे। लैपटाप की राशि भी जल्द दी जाएगी। उमंग ने सीएम के जापान रहते एक पत्र लिखा था, जो जापानी में था। यह पत्र एक्स के जरिए उन्हें प्रेषित किया था, जिसमें सवाल खड़े किए थे कि सरकार प्रतिभावान छात्रों से किए जाने वाले वादों से मुकर गई है, इसलिए ऐसा कर रही है। जिस पर सीएम ने दिल्ली में मीडिया को दिए एक बयान में रविवार कहा कि सरकार ने सभी वर्गों के लिए निरंतर योजनाएं बनाने का काम किया है। किसी भी योजना के मूल ढांचे में बदलाव नहीं होने देंगे। विद्यार्थियों को जल्द ही लैपटॉप की राशि देंगे। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से स्कूल स्तर पर जो विद्यार्थी प्रावीण्य सूची में शामिल हुए हैं उनको स्कूटी दी जा रही है। यह सरकार की मूल योजना है उसके अनुसार हम अपने बच्चों को सौगात देते रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष का जन्मदिन मनाया था। इस मौके पर उन्होंने क्षेत्र की एक छात्रा को स्कूटी दी थी। कांग्रेस विधायकों से कहा था कि संभव हो तो अपने-अपने क्षेत्र के एक-एक प्रतिभावान छात्रों को स्कूटी वितरित करें। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री के जापान में रहते उन्होंने एक पत्र लिख दिया था, जो जापानी में था, इसमें कई आरोप लगाए थे और राशि नहीं देने को लेकर वादाखिलाफी के आरोप लगाए थे।

अभाविप की राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा

पूर्वोत्तर भारत से आए प्रतिनिधि पहुंचे भोपाल, द्रोणाचल योद्धस्थल, मप्र स्टेट हैंगर का किया भ्रमण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा आयोजित एसईआईएल यात्रा (अंतर-राज्यीय जीवन में छात्र अनुभव) के अंतर्गत पूर्वोत्तर भारत से आए प्रतिनिधियों ने भोपाल में पहले दिन द्रोणाचल योद्धस्थल, मध्यप्रदेश स्टेट हैंगर, मध्यप्रदेश फ्लाइंग क्लब एवं पीपल्स मॉल का भ्रमण किया। कैप्टन विश्वास राय एवं एसईआईएल-2025 स्वागत समिति के सचिव रोहित जोशी ने प्रतिनिधियों को पायलट कोर्स एवं विमान संचालन की जानकारी दी और विमान उड़ाने की बारीकियों को समझा। द्रोणाचल योद्धस्थल पर प्रतिनिधियों को भारतीय सेना की ऐतिहासिक उपलब्धियों और युद्धों में उपयोग किए गए शस्त्रों की जानकारी दी गई। इस दौरान उन्हें सेना की रणनीतियों और सैन्य प्रशिक्षण प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। मानव संग्रहालय में प्रतिनिधियों ने नॉर्थ ईस्ट की पुरातन संस्कृति को एवं पीपल्स मॉल में प्रतिनिधियों ने विभिन्न स्मारकों को देखा। भ्रमण स्थल पर भोपाल महानगर की स्वागत समिति के गणमान्य सदस्य डॉ. अभिजीत देशमुख, सचिन वर्मा, मुदित शहजवार, आयुष वाजपेई, रवि शर्मा, आशीष जनक एवं कुणाल ज्ञानी उपस्थित रहे। प्रतिनिधियों को भोपाल के विभिन्न मेजबान परिवारों में ठहराया जाएगा, जहां वे स्थानीय संस्कृति को करीब से समझ सकेंगे। साथ ही वे भोपाल के शैक्षणिक संस्थानों और महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करेंगे। यात्रा के अंतर्गत 4 फरवरी को एक भव्य नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें शहर के गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद, विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता एवं अन्य प्रतिष्ठित लोग शामिल होंगे।

शिक्षण सामग्री का वितरण कर बसंत पंचमी उत्सव मनाया

भोपाल. दोपहर मेट्रो। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पंडित मोहन लाल दीक्षित कला एवं समाज कल्याण समितिफ द्वारा बसंत पंचमी उत्सव मनाया गया।इस अवसर पर दीनदयाल बस्ती नेहरू नगर की मांडवा बस्ती में बच्चों को उनकी आवश्यकता अनुसार हर आयु वर्ग के बच्चों को शिक्षण सामग्री का वितरण का आयोजन कर उन्हें याद किया गया। इस आयोजन में उप संचालक जनसंपर्क विभाग क्रांतिदीप अलूने,समाज सेविका अनुराधा सिंह, पीएनबी के सेवानिवृत जे पी तोड़ेश्याम, गीता तोड़ेश्याम , बादल माहेश्वरी, सजल श्रीवास्तव, सुनील दीक्षित, नरेश मोटवानी,पवन वरसे,समिति के सचिव प्रतुल दीक्षित,भूमिका, वेदिका, तनिष्का, ख्याति, अंशिका, प्रसिद्धि और नवनीत दीक्षित उपस्थित रहे।

राज्यपाल दीक्षांत समारोह में

विद्यार्थी अपने ज्ञान को निरंतर करते रहें अपडेट : राज्यपाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। राज्यपाल ने समारोह में विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रकाशनों का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने समारोह के सारस्वत अतिथि एवं नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी को एमसीबीयू डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि से विभूषित किया।

राज्यपाल ने कहा कि तेजी से बदलते आज के तकनीकी युग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में निरंतर ज्ञान की खोज समय की जरूरत है। इसीलिए विद्यार्थी जीवन में नए अवसरों को प्राप्त करने और नई चुनौतियों के समाधान खोजने में अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर अपडेट करते रहें। सपने साहस और धैर्य से साकार होते हैं। जरूरत है तो बस असफलता से सीख कर, स्वयं में बदलाव करते हुए आगे ब?ने की। उन्होंने गुरूजनों से कहा कि जीवन में सफलता के लिए कठोर अनुशासन, भरपूर आत्म-विश्वास और संवेदनशील व्यक्तित्व होना जरूरी है। आपकी प्रतिभा, ज्ञान और कौशल से किए गए कार्यों की सार्थकता समाज की अंतिम क?ी के वंचित व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने में ही है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ते हुए आपको सफलता के पथ तक पहुँचाने वाले माता-पिता, गुरुजनों की साधना, त्याग और समर्पण को कभी नहीं भूलें। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी की और मौलिक प्रतिभा को बढ़ाते हुए, ज्ञान और संस्कार से दीक्षित कर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को राष्ट्र एवं समाज सेवा के लिए सक्षम बनाएं। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप सब विकसित भारत के अमृत प्रसंग की सौभाग्यशाली पी?ी हैं, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजनरी नेतृत्व मिला है। उनकी दूरदर्शिता का प्रतिफल, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति है, जो युवाओं को जीवन में सफलता की अनंत ऊँचाइयों को छूने और भारत को ज्ञान की महाशक्ति बनाने का अवसर प्रदान करती है। समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी भारत के ज्ञान कोष पर गर्व करें। शोध के माध्यम से इस ज्ञान को विश्व भर में प्रसारित कर दुनिया के कल्याण का उद्देश्य लेकर आगे बढ़े। कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि एडमिरल त्रिपाठी ने दीक्षांत उद्बोधन देते हुए उपस्थित विद्यार्थियों को 3 मूल मंत्र दिए। पहला कभी सीखना बंद न करें। निरंतर लर्निंग प्रोसेस को जारी रखें। दूसरा सक्सेस के लिए शॉर्ट कट्स न अपनाए एवं तीसरा पराजय को गरिमापूर्ण तरीके से स्वीकार करें, पराजय से सीखें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े।

संपादकीय

वीआईपी कल्चर के सबक

इस बार प्रयागराज का महाकुंभ कई मायनों में सबक भी लेकर आया है। यह सबक बडे आयोजनों में की जाने वाली व्यवस्थाओं से लेकर जोखिम को न्यूनतम बनाने के मामलों तक है। दरअसल इस बार के महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, वह चकित करती है हालांकि इसकी संभावना पहले से थी। इसीलिये सरकार की ओर से जिस पैमाने पर आयोजन और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में प्रचार किया गया था, उसमें किसी बड़े हादसे की आशंका कम लोगों को रही होगी। मगर कुछ दिन पहले व्यापक पैमाने पर फैली अव्यवस्था और उसके नतीजे में दुर्घटना के उदाहरण सामने आए, वे हैरान करने वाले हैं। आम लोगों के लिए रात में टिकने से लेकर आस्था की डुबकी लगाने तक की स्थिति इतनी विकट थी कि बहुतों के लिए यह महाकुंभ बहुत कठिन हो गया। इसी बीच मौनी अमावस्या के मौके पर भगदड़ और उसमें कई लोगों की मौत मेले में अव्यवस्था के चरम उदाहण बने। इस तरह की बहुस्तरीय समस्याओं की जड़ में एक बड़ा कारण यह देखा गया कि मेले में पहुंचने वाले विशिष्ट या अति विशिष्ट लोगों के लिए कुछ विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। इसका असर स्वाभाविक रूप से वहां पहुंचे आम लोगों की गतिविधियों पर पड़ा और नतीजे में एक त्रासद घटना हुई। अब देर से सही मगर उप्र सरकार ने सख्त फैसला किया है, जिसके तहत अमृत स्नान और सभी प्रमुख स्नान पर्वों के मौके पर विशिष्ट और अति विशिष्ट व्यक्तियों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस फैसले के बाद अब अमृत स्नाान के साथ-साथ प्रमुख स्नान पर्वों और इसके नजदीक की तिथियों पर प्रशासन की ओर से किसी भी तरह के 'वीआइपी प्रोटोकाल' लागू नहीं होंगे। ऐसी शिकायतें आम थीं कि प्रशासनिक अमले का एक बड़ा हिस्सा अतिविशिष्ट लोगों को निर्बाध तरीके से वहां आने और स्नान आदि के लिए सुविधाएं और सुरक्षा मुहैया कराने में लगा हुआ था। पूरी कैबिनेट ही यहां जमा थी और बैठक कर रही थी। कई अन्य वीवीआईपी भी लगातार आ रहे थे। दूसरी ओर, इस वजह से श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती तादाद के मद्देनजर विशेष तिथि वाले स्नानपर्व के दिन व्यवस्था संबंधी समस्या पैदा होने की आशंका खड़ी हो रही थी। बेहद संवेदनशील स्थितियों को छोड़ दिया जाए. तो सभी विशिष्ट घोषित लोगों के लिए अलग से सुविधा मुहैया कराना ही अपने आप में समस्या पैदा होने की वजह हो सकती है। इसके बावजूद सरकार ने इस पक्ष पर गौर करने में देर कर दी। महाकुंभ की अहमियत को देखते हुए इसका आयोजन एक बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन इसके साथ ही जरूरी यह है कि इस जिम्मेदारी को व्यवस्थागत मोर्चे पर पूरी संवेदनशीलता बरतते हुए कामयाबी के साथ पूरा किया जाए। विडंबना यह है कि हमारे देश में इस तरह के धार्मिक आयोजनों में भी विशिष्ट व्यक्तियों को जो खास महत्त्व है, उसमें सरकारी तंत्र को विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। इससे वहां पहुंचे आम श्रद्धालुओं की सुविधाएं सिमटती हैं और इस क्रम में कई बार जो अव्यवस्था पैदा होती है, उसे संभालना मुश्किल हो जाता है। जबकि जरूरी यह है कि महाकुंभ जैसे मेले में साधारण लोगों को भी अपने लिए जगह और कद्र महसूस हो। प्रयागराज महाकुंभ में कुछ जगहों पर आग लगने से उपजे जोखिम, भगदड़ और उसमें श्रद्धालुओं की जान जाने की घटना यह रेखांकित करती है कि कुछ लोगों के लिए विशेष सुविधाओं के क्या नतीजे हो सकते हैं। अब विशिष्ट और अतिविशिष्ट व्यक्तियों के लिए नियम को लेकर उत्तर प्रदेश की सरकार का फैसला स्वागतयोग्य तो है लेकिन यह तब ज्यादा स्वागतयोग्य होता जब यह फैसला शुरूआत में ही ले लिया गया होता।

मनुष्य स्वतन्त्र विचार वाला व्यक्ति होते हुए भी परिस्थितियों का दास है।
- भगवती चरण

आज का इतिहास

- 1760- सदाशिव राव भाऊ के नेतृत्व में मराठा सेना ने उदगीर के युद्ध में निजाम को बुरी तरह हराया।
- 1815- विश्व में पनीर उत्पादन का पहला कारखाना स्विटजरलैंड में खोला गया।
- 1916- बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की शुरुआत।
- 1925- भारत की पहली बिजली संचालित ट्रेन सेवा मुम्बई से कुर्ला के बीच शुरू।
- 1934- पहली बार हवाई जहाजों से पार्सल भेजने का सिलसिला शुरू हुआ। इसे शुरू करने वाले कंपनी को आज लुफ्थांसा के नाम से जाना जाता है।
- 1942- जावा पर पहला जापानी हवाई हमला हुआ।
- 1945- रूस द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान के खिलाफ युद्ध में शामिल होने पर सहमत हुआ।
- 1954- इलाहाबाद कुम्भ मेले में हुए हादसे में 500 से अधिक की मौत।
- 1970- भारत के पहले और दुनिया के सबसे बड़े कोयला आधारित उर्वरक संयंत्र की तलचर में आधारशिला रखी।
- 1972- जापान के सप्पारो में एशिया में पहली बार शीतकालीन ओलंपिक का आयोजन किया गया।
- 1988- पहली परमाणु पनडुब्बी (आईएनएस चक्र) भारतीय सेना में शामिल।
- 1999- भारतीय राज्य जम्मू और कश्मीर में डेमोक्रेटिक जनता दल का पुनरुद्धार हुआ।
- 2003- भारत ने उज़्बेकिस्तान के साथ आतंकवाद के ख़िलाफ़ एक संयुक्त कार्यदल का गठन किया।
- 2005- भारतीय मूल के पहले सांसद दलीप सिंह सौंद को सम्मानित करने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधी सभा में लाये गये विधेयक को आम राय से मंजूरी मिली।
- 2006- मिस्र का जहाज़ अल सलाम-98 लाल सागर में डूबा।
- 2007- चीन ने मल्टीपरपज नेविगेशन सैटेलाइट को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया।

निशाना

हुआ बजट है पेश !

-कृष्णेन्द्र राय

आया लेखा जोखा ।
हुआ बजट है पेश ।।
जानकारी ले लें ।
क्या बचा है शेष ।।
सबकी अलग राय है ।
आपने क्या पाया ।।
मंत्री जी ने थोड़ा थोड़ा ।
झलक है दिखलाया ।।
आई भी है राहत ।
पड़ी भी है मार ।।
पता चलेगा सबको ।
आगे इस प्रकार ।।
है होना विश्लेषण ।
मिला सबको काम ।।
पता लगाना बाकी ।
दावे जो तमाम ।।

ट्रंप शिक्षा से पल्ला झाड़ने की तैयारी में मोदी शिक्षित भारत का बना रहे मैदान

■ आलोक मेहता

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने पर महाशक्ति के प्रभाव से दुनिया में युद्ध रोकने , आर्थिक बदलाव , व्यापार , रोजगार के लिए वीसा आदि पर भारत या अन्य मित्र देशों से संबंधों की बहुत चर्चा हो रही है । लेकिन ट्रम्प शासन द्वारा अमेरिकी शिक्षा मंत्रालय को ही बंद कर देने की तैयारी जैसे क्रांतिकारी बदलाव की बात पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है । विशेष रुप से इसलिए कि इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत का सपना साकार करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने और शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार और कौशल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रयास कर रहे हैं । शायद बहुत कम लोगों ने ध्यान दिया कि अपने पूरे चुनाव अभियान के दौरान ट्रंप संघीय शिक्षा विभाग की निंदा करते नजर आए । अमेरिकी शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए ट्रम्प ने प्लान पेश किया है। वो कॉलेज की बढ़ती फीस और वामपंथी विचारधारा के प्रचार को रोकने की बात भी कह रहे हैं। इधर भारत में जब कम्युनिस्ट विचारों का जहर घोलने वाले संस्थानों पर अंकुश की बात करने पर प्रधान मंत्री मोदी की सरकार का विरोध होने लगता है । ट्रंप का कहना है कि एक्रिडिटेशन सिस्टम की वजह से कॉलेजों में 'मार्क्सवादी' विचारधारा का बोलबाला है।एक्रिडिटेशन सिस्टम का काम कॉलेज की गुणवत्ता को मापना है। ट्रंप मौजूदा एक्रिडिटर्स को हटाकर नए लोगों की भर्ती करना चाहते हैं। नए एक्रिडिटर्स अमेरिकी मूल्यों, अभिव्यक्ति की आजादी और करियर पर ध्यान देंगे। ट्रंप का मानना है कि इससे कॉलेजों में जवाबदेही बढ़ेगी, खर्चे कम होंगे और सस्ती डिग्री मिल सकेगी। नई सरकार के गठन पर उन्होंने पूर्व वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट कंपनी की सी ई ओ और पेशेवर रेस्लर लिंडा मैकमोहन (को शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है । इसमें कोई शक नहीं कि शिक्षा क्षेत्र का मैदान जीतना किसी बड़े रेसलिंग के वर्ल्ड चैंपियन से अधिक कठिन चुनौती है । दूसरी तरफ अमेरिकी शिक्षा संस्थानों में भारत के करीब साढ़े तीन लाख भारतीय छात्रों सहित लगभग 12 लाख विदेशी छात्रों पर होने वाले दूरगामी प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं है ।

अमेरिका में शिक्षा मुख्य रुप से राज्यों के अधीन है - जिसमें प्रत्येक राज्य अपनी स्कूल प्रणाली का प्रभारी होता है - संघीय सरकार नहीं। लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प की चुनावी जीत माता-पिता, शिक्षकों और शिक्षा विशेषज्ञों के बीच हलचल पैदा कर रही है। अपने अभियान के दौरान, राष्ट्रपति-चुनाव ने अमेरिकी शिक्षा विभाग को खत्म करने का वादा किया और नस्लवाद या छात्रों की ट्रांसजेंडर पहचान को मान्यता देने जैसे मुद्दों की खोज करने वाले स्कूलों के लिए फंडिंग में कटौती करने की धमकी दी है ।क्रिडिटेशन सिस्टम को भंग करना-डोनाल्ड ट्रंप 'रेडिकल लेफ्ट' एक्रिडिटर्स को हटाना चाहते हैं। उनका आरोप है कि ये एक्रिडिटर्स अमेरिकी युवाओं के दिमाग में गलत विचार भर रहे हैं और कॉलेजों को जवाबदेह नहीं बना रहे हैं। वह ऐसे एक्रिडिटर्स को लाना चाहते हैं जो पारंपरिक अमेरिकी मूल्यों पर जोर दें।ट्रंप चाहते हैं कि कॉलेजों में अभिव्यक्ति की आजादी को मजबूत किया जाए। एक्रिडिटेशन के लिए ये एक महत्वपूर्ण मानदंड हो। ट्रंप का कहना है कि कॉलेज-यूनिवर्सिटीज में अभिव्यक्ति की आजादी को दबाया जा रहा है।डोनाल्ड ट्रंप विविधता, समानता और समावेश की बातों को 'मार्क्सवादी' कहते हैं। उनका कहना है कि इसकी वजह से शिक्षा पर खर्च बढ़ा है। राष्ट्रपति ने वादा किया है कि वो इन पदों को खत्म करेंगे, जिससे खर्च कम होगा। डोनाल्ड ट्रंप ऐसी शिक्षा व्यवस्था लाना चाहते हैं, जहां छात्रों को जल्द से जल्द और कम पैसे में डिग्री हासिल हो सके। ऐसा होने पर कॉलेज की पढ़ाई करना सबके लिए आसान हो जाएगा।शिक्षा के मूल्यों को छात्रों तक पहुंचाने के लिए ट्रंप कॉलेज में एडमिशन और पढ़ाई पूरी कर जाने के दौरान एग्जाम को अनिवार्य बनाना चाहते हैं। इससे यह पता चलेगा कि छात्रों ने वाकई कुछ सीखा है या नहीं और उन्हें अच्छी शिक्षा मिली है या नहीं।ट्रंप न्याय विभाग को निर्देश देंगे कि वो ऐसे कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई करे जो 'नस्लीय भेदभाव' करते हैं । खासकर 'समानता' के नाम पर।राष्ट्रपति चाहते हैं कि कॉलेज जॉब प्लेसमेंट और करियर सेवाओं को बेहतर बनाएं। ट्रंप का कहना है कि टैक्स देने वालों के पैसे से चलने वाले संस्थानों का यह कर्तव्य है कि वे छात्रों को अच्छी नौकरियां दिलाने में मदद करें।

अभियान के वादों के बावजूद, संवैधानिक कारणों से अमेरिकी राष्ट्रपति भी किसी मंत्रालय को आसानी से समाप्त नहीं कर सकते। ट्रम्प को कांग्रेस के समर्थन की आवश्यकता होगी। सीनेट में, कम से कम 60 सीनेटरों के ÷सुपर बहुमत को उन्मूलन के पक्ष में मतदान करना होगा। रिपब्लिकन के पास वर्तमान में 53 सीटों का बहुमत है, इसलिए उन्हें डेमोक्रेट्स के वोटों की भी आवश्यकता होगी , जो उन्हें मिलने की संभावना कम है।उनका मानना है कि स्टूडेंट्स को देशभक्ति के मूल्यों की शिक्षा भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए. ट्रंप का आरोप रहा है कि अभी स्टूडेंट्स को मार्क्सवादी विचारधारा के तहत शिक्षित किया जा रहा है । ट्रंप ऐसे कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई भी चाहते हैं, जो समानता के नाम पर नस्लीय भेदभाव करते हैं. वह ऐसे कॉलेजों पर जुर्माना और टैक्स लगाना चाहते हैं । शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के पीछे डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि कॉलेज स्टूडेंट्स को नौकरियां दिलाने में भी मददगार हों ।मतलब शिक्षा के बाद रोजगार सुनिश्चित हो ।

अमेरिकी शिक्षा मंत्रालय शिक्षा से जुड़े अहम फैसले लेता है । ऐसे में इसके बंद होने का सबसे पहला असर यह होगा कि शिक्षा संबंधी सभी निर्णय राज्य व स्थानीय स्तर पर लिए जाने लगेंगे ।

हालांकि कुछ हद तक अब भी ऐसा ही होता है, लेकिन इसमें सबसे अहम काम लोन से जुड़ा है । यह काम संघीय शिक्षा मंत्रालय ही करता है । अमेरिकी शिक्षा विभाग 1.6 ट्रिलियन डॉलर के फेडरल स्टूडेंट लोन प्रोग्राम का काम भी देखता है. यही नहीं वह समय समय पर कॉलेज व यूनिवर्सिटीज के लिए नियम कायदे भी बनाता रहता है ।शिक्षा विभाग से मिलने वाले फंड का इस्तेमाल शिक्षण कर्मचारियों को आगे की ट्रेनिंग देने और विशेष ज़रूरतों वाले छात्रों की मदद करने के लिए भी किया जाता है । ऐसे में इसके बंद होने का असर इन सभी कामों पर भी पड़ेगा । डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार यह भी चिंता जताई थी कि अमेरिकी लोग किसी भी देश की तुलना में एक बच्चे पर तीन गुना अधिक पैसा खर्च करते हैं, लेकिन फिर भी उनके बच्चों का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं होता. इसी में सुधार लाने के लिए वह ऐसा करना चाहते हैं ।

इधर भारत में 2014 और 2024 के बीच उच्च शिक्षा के बजट में 78 फीसद की बढ़ोतरी हुई, तो स्कूली शिक्षा का 40 फीसद बढ़ा है । 2025 - 26 में बजट में और अधिक खर्च का प्रावधान है । स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए 2022 में प्रधानमंत्री के हाथों लॉन्च पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम एसएचआरआई या पीएम श्री योजना का उद्देश्य 14,500 मौजूदा स्कूलों को नई शिक्षा नीति की मूल कल्पना को साकार करने वाले 'मॉडल स्कूलों' में नए सिरे से विकसित करना है. नई शिक्षा प्रणाली डिग्री-केंद्रित प्रणाली से अब योग्यता पर जोर देने वाली प्रणाली की तरफ बढ़ रही है । प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि भारत नवोन्मेष की कुदरती प्रतिभा से संपन्न लोगों का देश है पर प्रतिभा के पूल को केवल डिग्रियों के आधार पर नहीं आंकना चाहिए । कौशल-आधारित शिक्षा, अनुसंधान और उद्यमिता को बढ़ावा देने की जरूरत है । हमें डिग्री से योग्यता की तरफ ले जाने वाली संस्कृति का निर्माण करना होगा.नई शिक्षा नीति का जोर बहुआयामी सीख पर है । और रिसर्च की बिना पर हमारे छात्रों और फैकल्टी में तीन गुना इजाफा हुआ है । नीतियों और हमारे संस्थाओं के लक्ष्य की दिशा एक हैं । नई शिक्षा नीति में सरकार और इंडस्ट्री के बीच प्रैक्टिकल एंगेजमेंट पर फोकस से शोधवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा और छात्रों को असल जिंदगी की चुनौतियों के लिए तैयार करेगा ।

कश्मीर में आतंकवादियों ने अपनी चाल बदल दी मगर सेना ने रणनीति नहीं बदली

■ ले.जन. एच.एस. पनाग (रिटा.)

जम्मू-कश्मीर से मिले-जुले किस्म के संकेत मिल रहे हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2 जनवरी को कहा कि ÷मोदी सरकार ने कश्मीर में आतंक के तामझाम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है. इस तरह इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता मजबूत हुई है÷. वहां एक निर्वाचित सरकार केंद्र के साथ तालमेल से सत्ता संभाले हुए है और उसे फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दिया ही जाने वाला है. वहां अब आतंकवादी हिंसा महानगरों में हो रहे हिंसक अपराधों की तुलना में कम ही है. पर्यटन खूब बढ़ा है और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास में तेजी आई है।लेकिन सेना की तैनाती में कमी आने की जगह 2024 में जम्मू क्षेत्र में 15,000 अतिरिक्त सैनिक भेजे गए. और बगावत से निबटने वाले साजोसामान की आपात खरीद की मंजूरी दी गई है. 2023 और 2024 में मारे गए सैनिकों और आतंकवादियों की संख्या का अनुपात 1ः2.6 था, जो कि पिछले एक दशक में सबसे निचले स्तर पर था. लेकिन जम्मू क्षेत्र में 2021 से 2024 तक यह 1ः1 के खतरनाक स्तर पर था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी, दोनों का बयान आ चुका है कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में छद्म युद्ध जारी रखे हुए है. सीओएएस कह चुके हैं कि जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकवादियों में से 80 फीसदी और आतंकवाद विरोधी कार्रवाई में मारे गए आतंकवादियों में से 60 फीसदी पाकिस्तान के हैं.

तो सवाल यह है कि वहां की हकीकत क्या है? सभी पैमाने पर देखें तो कहा जा सकता है कि हिंसा अब तक के अपने सबसे निचले स्तर पर स्थिर हो गई है. वहां अब आवाम का दिल-दिमाग जीतने के लिए राजनीति केंद्रीय भूमिका निभा रही है. मेरा आकलन यह है कि जो छिटपुट हिंसा हो रही है वह आतंकवादियों की चाल में बदलाव का नतीजा है. यह बदलाव उन्हें अपनी संख्या में कमी आने के कारण, और अपनी रणनीति बदलने में सेना की विफलता का परिणाम है. करना पड़ा है. इस वजह से राजनीतिक और सैन्य स्तरों पर भी बेहिसाब सावधानी बरतने को मजबूर होना पड़ा है. इसलिए राजनीतिक और सैन्य रणनीति में कोई बदलाव नहीं किया जा सका है और दीर्घकालिक संघर्ष जारी रखने पर जोर दिया जा रहा है. इस सबकी समीक्षा जरूरी हो गई है। फिलहाल अपनी बदहाल आर्थव्यवस्था, अफगानिस्तान से और डुरंड लाइन तथा खैबर पख्तूनखवा में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से टकराव, बलूचिस्तान में बगावत, और चीन-पाकिस्तान एकोनॉमिक कॉरीडोर को बढ़ती असुरक्षा आदि वजहों से जम्मू-कश्मीर में छद्म युद्ध जारी रखने की पाकिस्तान की क्षमता अपने न्यूनतम स्तर पर है.

इसके बावजूद, जम्मू-कश्मीर को या कम-से-कम उसके मुस्लिम बहुल इलाकों को छद्म युद्ध के बूते जीतने की पाकिस्तान की दीर्घकालिक रणनीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है. इसलिए वह सौ-डेढ़ सौ आतंकवादियों के जरिए भी आतंकवाद की आग भड़काते रहने की कोशिश करता रहेगा.सामरिक दृष्टि से आतंकवादियों को जंगली और दुर्गम क्षेत्रों में ही अड्डा बनाकर रहने दिया जाएगा, सुरक्षा बालों से मुठभेड़ से बचा जाएगा, और घात लगाकर या औचक हमले करने की चाल का सहारा लिया जाएगा। इस तरह का रणनीतिक और सामरिक माहौल भारत को जम्मू-कश्मीर में एक अनूठा मौका पेश कर रहा है कि वह 'संघर्ष प्रबंधन' की जगह 'संघर्ष समाप्ति' की रणनीति अपनाए. इसके लिए नया राजनीतिक और सैन्य रुख अपनाने की जरूरत होगी।जम्मू-कश्मीर में आज जो राजनीतिक माहौल है वह केंद्र सरकार के लिए साहसिक कदम उठाने का आदर्श अवसर उपलब्ध करा रहा है. लोगों ने अनुच्छेद 370 को रद्द करने के कदम को कबूल कर लिया है, और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार अपनी लीक छोड़कर केंद्र सरकार से सहयोग कर रही है। इसलिए जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा लौटाने के साथ ही विकास केंद्रित आर्थिक पैकेज देने की घोषणा अविलंब की जानी चाहिए. यह सेना को आतंकवादियों को खदेड़ भगाने का आधार उपलब्ध कराएगा। खुफिया सूत्रों पर आधारित 'इंडिया टुडे' की एक रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में सक्रिय कुल आतंकवादियों की संख्या 119 है. इनमें से 79 (स्थानीय 18 और पाकिस्तानी 61) पीर पंजाल पहाड़ियों के उत्तर में सक्रिय हैं, और 40 आतंकवादी (6 स्थानीय तथा 34 पाकिस्तानी) इसके दक्षिण में सक्रिय हैं. एक आतंकवादी प्रायः एक साल तक सक्रिय रहता है इसलिए उनकी मौजूदा संख्या को बनाए रखने के लिए हथियारों और गोला-बारूद से लैस कम-से-कम 100 आतंकवादियों को घुसपैठ करवाना होगा. इसके अलावा स्थानीय रंगरूटों के लिए भी सीमा पार से हथियारों और गोला-बारूद आदि की सप्लाई करनी होगी. बगावत को तेज करने के लिए इससे संख्या में तीन-चार गुना आतंकवादियों की जरूरत होगी. यह तभी संभाव है जब घुसपैठ में बढ़ोतरी होगी.

आतंकवादी संख्या में कम होने के कारण सेना से सीधे नहीं भिड़ रहे हैं. वे उन ग्रामीण और शहरी इलाकों से दूर रह रहे हैं जहां सेना की बड़ी तैनाती है. इसकी जगह वे मुख्यतः जंगली और पहाड़ी इलाकों में सक्रिय हैं और झूठी खबरें फैलाते हैं ताकि सुरक्षाबल वहां पहुंचें और वे उन्हें घात लगाकर निशाना बनाएं. अपनी मौजूदगी जताने के लिए कभी-कभी वे नागरिकों और पुलिसवालों को भी निशाना बनाते हैं.

जिन गांवों और शहरों को कभी आतंकवादियों के अड्डे के तौर पर इस्तेमाल किया गया था उनके आसपास के इलाकों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) की रखवाली और घुसपैठ को रोकने के लिए तैनात सैनिकों के अलावा कंपनी ऑपरेटिंग अड्डों के आतंकवाद विरोधी ग्रिड को तैनात किया जाता है जिनमें राष्ट्रीय राइफल्स के सैनिक शामिल होते हैं.

इन दिनों, जंगली तथा पहाड़ी इलाकों पर नियंत्रण रखने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा गश्त या जरूरत के मुताबिक ऑपरेशन के सीमित प्रयास ही किए जाते हैं. आतंकवादी यही तो चाहते हैं. उन्हें इन इलाकों में आज़ादी से गड़बड़ी करने और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने का मौका मिलता है क्योंकि सुरक्षा बलों को इन इलाकों की पहचान नहीं होती और उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है. विकसित इलाकों में तो अपेक्षाकृत शांति रहती है लेकिन जंगली तथा पहाड़ी इलाकों में सामरिक झटकों के कारण संघर्ष प्रबंधन में सावधानी बरतनी पड़ती है.

लंबे समय से सेना की धारणा यह रही है कि बेहिसाब संसाधन लगाए बिना आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों, और साजोसामान की तस्करी को नियंत्रित तो किया जा सकता है, पूरी तरह बंद नहीं किया जा सकता. वैसे, अगर हमें आतंकवाद को मिटाना है तो अतिरिक्त संसाधन लगाने ही पड़ेंगे बगावत में स्थानीय लोगों की सीमित भर्ती के कारण यह पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर से भारत में घुसपैठ करने वालों के बूते चलाई जा रही है. मेरा आकलन है कि घुसपैठ को बिलकुल रोक देने के लिए थलसेना की कम-से-कम 60 अतिरिक्त कंपनियों की जरूरत पड़ेगी. यह अतिरिक्त बल राष्ट्रीय राइफल्स की 10 बटालियनों को नये सिरे से तैनात करके हासिल किया जा सकता है। ऑपरेशन की नयी रणनीति का दूसरा पहलू यह है कि आतंकवाद विरोधी ग्रिड को बदला जाए. अभी इस ग्रिड को 62 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन संभाल रही हैं और आंतरिक इलाकों में वही आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन चलाती है. चूंकि आतंकवादी पहले गांवों और शहरों में सक्रिय रहते थे इसलिए यह ग्रिड विकसित क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान देती थी. लेकिन पिछले दो-तीन वर्षों से आतंकवादी गतिविधियां जंगली और पहाड़ी क्षेत्रों में केंद्रित हो गई हैं. राष्ट्रीय राइफल्स की कुछ बटालियनों का तो वर्षों से आतंकवादियों से सामना नहीं हुआ है. लेकिन ग्रिड को सक्रिय रखना जरूरी है क्योंकि आतंकवादी छूट का फायदा उठाते हैं।

आतंकवादियों की नयी चाल के मद्देनजर जंगली और पहाड़ी क्षेत्रों को ग्रिड के दायरे में शामिल करना जरूरी है. इसके लिए 50 फीसदी राष्ट्रीय राइफल्स बटालियनों का इस्तेमाल किया जा सकता है. विकसित इलाकों में ग्रिड की नामौजूदगी की भरपाई सीआरपीएफ और राज्यों की आर्म्ड पुलिस बटालियनें तैनात करके की जा सकती है. जरूरी हो तो यूनिफॉर्म काउंटर इनसरजेंसी फोर्स मुख्यालय और राष्ट्रीय राइफल्स की दो बटालियनों वाले एक सेक्टर को पूर्वी लद्दाख से वापस बुलाया जा सकता है। जंगली और पहाड़ी क्षेत्रों को आतंकवादियों से मुक्त करने के लिए ग्रिड की नये सिरे से तैनाती के अलावा उसमें स्पेशल फोर्स की अतिरिक्त बटालियनें शामिल की जा सकती हैं. मेरे आकलन के अनुसार, ऑपरेशन की संशोधित रणनीति को जम्मू-कश्मीर में मौजूद संसाधनों के पुनर्गठन एवं नयी तैनाती के जरिए लागू किया जा सकता है। एक बार फिर याद दिला दें कि जम्मू-कश्मीर में हमारी वर्तमान राजनीतिक एवं सैन्य रणनीति का जोर संघर्ष के प्रबंधन पर ही है. लेकिन संघर्ष की समाप्ति के लिए अधिक साहसी राजनीतिक एवं सैन्य रणनीति की जरूरत है, और इसे लागू करने का सबसे बढ़िया समय यही है.

(साभार: यह लेखक के निजी विचार हैं)

कोडल में आज से ग्यारह दिवसीय रुद्र महायज्ञ

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा से तारादेही सड़क मार्ग पर ग्राम पंचायत दरौली से लगभग दो किमी अंदर दूरी पर ग्राम पंचायत कोड़ल में नदी के किनारे बसंतपंचमी के शुभ अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रुद्र महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसके प्रारंभ में आज भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी और यागिक विद्वानों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ वरुण पूजन पंचांग पूजन मंडप प्रवेश कराया जाएगा इसमें ग्राम वासी सहित क्षेत्र श्रद्धालु बड़ी संख्या में यज्ञ स्थल पर पहुंचेंगे

यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि ग्राम कोडल में बसंतपंचमी के शुभ अवसर पर नदी के तट पर निरंतर पाँच वर्षों से रुद्र महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा जिसमे ग्राम के सहित क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर यज्ञ की परिक्रमा लगाते हैं और धर्म लाभ प्राप्त करते हैं उन्होंने बताया कि ग्राम में स्थित बहुत प्राचीन शिव मंदिर भी जिसे देखने भी बड़ी संख्या में लोग दूर दराज से भी यहाँ पहुंचते हैं यह शिव मंदिर सांस्कृतिक व पुरातत्व की धरोहर है। मंदिर के चारों ओर अद्भुत कलाकृतियों की नक्कासी पत्थरों पर की गई है। खजुराहो की तरह कलाकृतियों का यह मंदिर 950 ई. में कल्चुरी शासकों द्वारा बनवाया गया था लेकिन कुछ लोग इसे चंदेलवंशी भी मानते हैं। मंदिर की कलाकृतियां अनोखी हैं

मंदिर के आसपास काफी पुरात्विक धरोहरें हैं। महाशिवरात्रि के दिन भगवान के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में यहाँ श्रद्धालु पहुचते हैं

हवन पूजन के साथ की विद्यादायिनी मां सरस्वती की आराधना

इटारसी। बसंत ऋतु के आगमन पर्व पर विद्यादायिनी मां सरस्वती का पूजन किया जाता है। इस दिन मांगलिक एवं शुभ कार्य करने की परंपरा चली आ रही है। बसंत पंचमी के अवसर पर विप्र समाज के सानिध्य में मूलचंद मिस्त्री की चाल पुरानी इटारसी स्थित शिवमंदिर प्रांगण मे बसंत पंचमी पर्व हर्षोउल्लास एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मां सरस्वती का यजमानों द्वारा पूजन किया गया, इसके पश्चात हवन एवं महाआरती से कार्यक्रम का समापन हुआ। मुख्य यजमान के रूप में समाजसेवी पवन शुक्ला, सुधांशु मिश्रा, संदीप बाजपेयी सहपरिवार शामिल हुए। कार्यक्रम में पुरोहित मनमोहन तिवारी द्वारा पूजन सम्पन्न की गई। इस दौरान श्यामशंकर तिवारी, श्रीकान्त तिवारी, अजय शुक्ला, शैलेन्द्र पाठक, अजय शुक्ला कोचिंग, शैलेश पाठक, ओमी बाचपेयी, अतुल शुक्ला, शरद दीक्षित,आलोक तिवारी, तरुण शुक्ला, ज्योति शुक्ला, उमारानी पाठक, अचला मिश्रा, रश्मि बाचपेयी, अंजलि पाठक, आदित्य दीक्षित समेत बड़ी संख्या में विप्रजन शामिल हुए। सभी ने एक दूसरे को बसंतोत्सव के आगमन की बधाई देते हुए मां सरस्वती का पूजन करते हुए सुख समृद्धि की कामना की।

परिवर्तित रहेगी यातायात व्यवस्था, सेठानी घाट के आसपास नो व्हीकल जोन

सीएम के मुख्य आतिथ्य में कल होगा नर्मदा जयंती समारोह

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष नर्मदा जयंती समारोह का आयोजन 4 फरवरी शाम को सेठानी घाट पर आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे.नर्मदा जयंती के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा, व्हीआइपी भ्रमण को दृष्टिगत रखते हुए यातायात व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है।इसके मुताबिक एकता चौक ,इंद्रा चौक , हलवाई चौक , सेंट्रल बैंक तिराहा , मेनबोर्ड चौराहे से नर्मदा घाट की तरफ जाने वाले मार्गों पर समस्त प्रकार के वाहनो का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा । सेठानी घाट की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं के दो पहिया वाहनो की पार्किंग सेठ गुरु प्रसाद स्कूल मैदान में निर्धारित की गयी है। अतः अस्पताल तिराहा से केवल दो पहिया वाहन , विशिष्ट व्यक्तियों के वाहन एवं शासकीय

कार्य में लगे अधिकारियों के वाहन जा सकेंगे।

शहर के अंदरूनी मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा की दृष्टि से एवं डुढ्ढक्कआवागमन के मार्ग पर सुरक्षा की दृष्टि से सड़क के किनारे किसी भी प्रकार के वाहन का खड़ा करना प्रतिबंधित रहेगा। व्यवस्था के दौरान सिर्फ आपातकालीन वाहनों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए आवागमन की सुविधा रहेगी

ड्रोन संचालन पर प्रतिबंध

माँ नर्मदा प्रकटोत्सव एवं नर्मदापुरम नगर के गौरव दिवस महोत्सव के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम सेठानी घाट एवं नगर के अन्य घाटों पर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ संपन्न होगा। विशेष रूप से मुख्य आयोजन 4 फरवरी को मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में सेठानी घाट पर आयोजित होना है। लिहाजा अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डी के सिंह द्वारा कार्यक्रम के दौरान अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा कारणों से 1000 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के ड्रोन, पैराग्लाइडर, यू.ए.वी. आदि के उड़ान भरने या परिचालन करने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लंघन करने पर संबंधित ड्रोन को संदिग्ध मानते हुए उसे नष्ट या जब्त किया जाएगा और संचालक तथा मालिक के खिलाफ ड्रोन रूल-2021 के उल्लंघन के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

शिक्षक कर्मचारी हितेषी राजपूत हम सबको प्रेरित करते रहेगे : कादरी

गंज बासौदा। भारतीय मजदूर संघ एवं मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ मे विभिन्न पदो पर रहे आदर्श श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से पुरूस्कृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय उकायला के शिक्षक महाराज सिंह राजपूत का सेवानिवृत्त कार्यक्रम आयोजित हुआ । कार्यक्रम में महाराज सिंह राजपूत का शाल श्रीफल व पुष्प मालाओ को पहनाकर उनका भव्य स्वागत सम्मान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश वरिष्ठ कर्मचारी नेता योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने उनकी सेवाओ को याद करते हुऐ उन्हे शिक्षक कर्मचारी हित मे सबसे आगे की पंक्ति मे खडे होकर संघर्ष करते रहे। आज के कर्मचारी व मजदूर नेताओ के प्रेरणास्त्रोत व्यक्तित्व बताते हुऐ उनके किऐ गये कार्य का अनुसरण करने की बात कही। सबल सिंह राजपूत ने बताया उनकी एक आवाज पर किसी भी विभाग का कोई भी आफिस हो सारे कर्मचारी एक जूट हो जाते है । कर्मचारी जगत मे ऐसे नेता विरले ही हुए है ।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बाघ देखकर रोमांचित हुए सैलानी

नर्मदापुरम। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चूरना रेंज में रविवार को सैलानियों ने सुबह की सफारी के दौरान टाइगर शंकरा की मस्तानी चाल को देखा। सैलानी सराफा चौक निवासी संतोष शर्मा ने बताया कि वे अपने परिजन और मित्रों के साथ चूरना की सफारी पर गए थे। वहां सुबह की शिफ्ट में उन्होंने यह नजारा देखा। उन्होंने बताया कि गाइड ने जानकारी दी कि शंकरा के दो छोटे भाई भी सतपुड़ा रिजर्व में हैं। वहीं सदर बाजार निवासी अनुराग मिश्रा ने बताया कि हमारे गाड़ी के सामने भी शेर आ गया तो हम सभी रोमांचित हो गए।

निशुल्क नेत्र शिविर में 219 की हुई जांच, 50 मरीज ऑपरेशन हेतु हुए चिन्हित, 18 भोपाल रवाना

इटारसी महासंगठन की पहल सराहनीय- चौरे

इटारसी, दोपहर मेट्रो

इटारसी व्यापार महासंगठन द्वारा राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत वाली सांई विलायत राय सेवा समिति के विशेष सहयोग से,विराट निशुल्क नेत्र परीक्षण व आपरेशन शिविर का आयोजन रविवार को सिंधी कालोनी स्थित सिंधु भवन में किया गया। इस शिविर में 219 मरीजों के पंजीयन हुए, इनमें 50 मरीज आपरेशन योग्य पाए गए। जिनमे से 18 मरीजों को तो वाहन द्वारा भोपाल भी पहुंचा दिया गया। अन्य को बाद में भेजा जाएगा। शिविर के समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष पंकज चौरे,विशिष्ट अतिथि प्रख्यात नेत्र विशेषज्ञ डॉ व्ही के निचला नी,वरिष्ठ भाजपा नेता व संरक्षक गण विश्वनाथ सिंघल,संदेश पुरोहित,चंद्रकांत अग्रवाल के विशिष्ट

सफल रहा ही है,साथ ही,समाज सेवा, मानव सेवा के कई सेवा प्रकल्प भी हर माह कर रहा है जो अन्य संगठनों हेतु प्रेरणाप्रद है। संरक्षक संदेश पुरोहित ने कहा कि इटारसी व्यापार महासंगठन रचनात्मक रूप से स्थानीय विधायक,नपा अध्यक्ष के विशेष सहयोग व शहर के हजारों व्यापारियों के नैतिक समर्थन से प्रत्येक व्यापारिक समस्या का निराकरण करने में सफल रहा है,चाहे वह दुकानों की किराया वृद्धि रोकने का हो या पुराने बस स्टैंड पर पुनः बसों के हॉल्ट को बहाल करवाना हो। इटारसी व्यापार महा संगठन की पहल पर ही बाजार क्षेत्र हेतु एक बड़ी पार्किंग बस स्टैंड पर भी जल्द बनाई जा रही है। अन्यथा शहर में ऐसे संगठन भी हैं जिनका काम ही विरोध की राजनीति करना,अपनी मनमर्जी से संगठन चलाना है। विश्वनाथ सिंघल ने कहा कि इटारसी व्यापार महासंगठन पूरी तरह शहर के हर ट्रेड के हर व्यापारी की अपेक्षाओं पर खरा उतरा है। डॉ निचलानी ने कहा कि भविष्य में भी हम आपके लिए तत्पर रहेंगे। इसके पूर्व सुबह शिविर का शुभारंभ संरक्षक सतीश सांवरिया के मुख्य आतिथ्य में इटारसी व्यापार महासंगठन के अध्यक्ष मुकेश जैन, संयोजक धर्मदास मिहानी, संरक्षक मोहन मोरवानी, युवा शाखा अध्यक्ष अर्जुन भोला एवं मोहन लाल चेलानी की मौजूदगी में किया गया। इसके बाद नेत्र शिविर प्रारंभ किया गया। शिविर में वाली सांई समिति विलायत सेवा समिति के सौजन्य से एसब्हीआईकेयर एंड लेसिक सेंटर के

बढ़ते कदम संस्था का किया सम्मान

कार्यक्रम में बढ़ते कदम संस्था के सदस्यों को सम्मानित किया गया। बता दें कि बढ़ते कदम संस्था समाज के हित के लिए कई बेहतर और पुण्य कार्य कर रही है। किसी भी परिवार के सदस्य के निधन के दौरान उनके घर में भोजन पहुंचाने का कार्य करती आ रही है। इसके अलावा अंतिम संस्कार में जरूरतमंदो की भी उचित मदद करती आ रही है। संस्था के इसी कार्य को देखते हुए इटारसी व्यापार महासंगठन द्वारा सभी 22 सदस्यों को सम्मान प्रतीक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नेत्र रोग विशेषज्ञ डा व्हीके निचलानी, रेटीना विशेषज्ञ डा खुशबू तोमर, डा विजय दुबे, डा परेश निचलानी एवं उनकी तकनीकि टीम द्वारा मरीजों की आंखो की जांच की। शिविर में 219 नेत्र मरीजों के पंजीयन हुए। जांच के बाद 50 को आपरेशन के लिए चिन्हित किया। इनमें से पहले दिन 18 मरीजों बसों के माध्यम से भोपाल पहुंचाया गया।

मॉर्निंग वॉक पर लगा ग्रहण : सुबह की सैर करने वाले नागरिक बदबू से परेशान

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

सुबह सुबह का घूमना और सैर सपाटा करना स्वास्थ्य के लिए कितना लाभदायक होता है यह बात नगर के लोगों को सुबह से घूमने के लिए जागरुक कर रहे हैप्पी क्लब के सदस्य बताते हैं सदस्यों का कहना है कि सभी लोग जानते हैं सुबह के सैर सपाटे से लोग अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं साथ ही अनेक बीमारियों से भी राहत मिलती है इस समय ठंडक होने के बावजूद लोग अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सैर सपाटा कर रहे हैं पर इस सैर सपाटे पर यदि बदबू का ग्रहण लग जाए तो इसे आप क्या कहेंगे नगर के समस्त मार्गों पर सुबह 4:30 बजे से महिला पुरुष बुजुर्ग और बच्चे सैर सपाटे के लिए निकलते हैं पर इन मार्गो पर मृत होने वाले जानवरों एवं मवेशियों को वन भूमि पर फेंका जा रहा है जिससे लगातार सैर सपाटा करने वालों की संख्या में कमी आ रही है।

स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव

सुबह सुबह की आबोहवा में दुर्गंध घुल जाने से होने वाली

परेशानी तो होना लाजमी होता है इन दिनों ऐसी स्थिति नगर से एक डेढ़ किलोमीटर बाद के मार्गों पर बनी है नगर से सटे इमलीडोल भटरिया मार्ग, नरगुँवा मार्ग पर घूमने वालों को परेशानी हो रही है जबकि इन मार्गों में सबसे अधिक मॉर्निंग वॉक करने के लिए लोग जाते हैं इन मार्ग पर मृत मवेशियों के कारण दुर्गंध लोगों की परेशानी की वजह बनी हुई है पहले ऐसी स्थिति नहीं थी लेकिन अब इस स्थिति के कारण लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति चिंतित हैं मॉर्निंग वॉक पर जाने वाली लोगों ने कहा कि दुर्गंध से स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका बनी है पहले भी इस प्रकार के कार्य किए जाने से लोग परेशान रहे कुछ लोगों ने जहां नगर परिषद पर आरोप लगाए थे तो वहीं कुछ लोगों अन्य लोगों पर आरोप लगाए जिसके बाद शासन प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए व्यवस्थित व्यवस्था बनवाई थी लेकिन फिर यह व्यवस्था अव्यवस्था में परिवर्तित हो गई है ।

मॉर्निंग वॉक पर जाने वाले कुछ लोगों से जब हमने इस संबंध में बात की तो बलराम यादव,रोशन दुबे, कमल नारायण यादव, महेंद्र ठाकुर, मोनू सिंघई, बबलु कोरी,अनिल यादव, शिवशंकर साहू,अंगद सौंग, लखन यादव, डॉ जितेंद्र भदोरिया, शरद जैन, लच्छू यादव सहित अन्य लोगों ने बताया कि स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए सुबह सुबह मॉर्निंग वाक जरूरी होती है लेकिन कुछ लोगों के द्वारा मृत मवेशियों को मॉर्निंग वॉक के रास्तों पर अनाधिकृत रूप से फेंका जा रहा है जिसके कारण हम लोगों की सेहत पर विपरीत असर हो रहा है।

मेट्रो एंकर बासौदा श्री हिंदू उत्सव समिति की अनूठी पहल

धार्मिक आयोजन करने वाली समितियों का होगा सम्मान

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

बासौदा श्री हिंदू उत्सव समिति के द्वारा रविवार को स्थानीय लाल पठार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजन करने वाली समितियां का स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नपाध्यक्ष शशि यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी ,जिला जनपद सदस्य गायत्री रघुवंशी, धर्मगुरु पंडित केशव दुबे शास्त्री की उपस्थिति में समितियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों को स्मृति चिन्ह प्रमाण पत्र एवं राम नाम पट्टीका से सम्मानित किया गया। आयोजन के दौरान सभी अतिथियों के द्वारा बासौदा श्री हिंदू उत्सव समिति की अनूठी पहल का सभी ने सराहना करते हुए स्वागत किया।

ज्ञात हो की बासौदा श्री हिंदू सब समिति के अध्यक्ष राजेश तिवारी के नेतृत्व में समिति के द्वारा नगर में सम्पन्न होने वाले धार्मिक और सामाजिक आयोजनों, चल समारोह में सहयोग और स्वागत करती आ रही है। एवं आयोजन संपन्न करने वाली 50 से अधिक

समितियों का स्वागत और सम्मान किया गया।

बसंत पंचमी के अवसर पर आयोजित किए गए। समारोह में विधायक हरिसिंह रघुवंशी के द्वारा कहा गया कि हमें हमारे भविष्य की पीढ़ियां को धर्म से जोड़ने के लिए हिंदू एवं सनातन परंपरा अनुसार परंपरा को मानते हुए धार्मिक आयोजन संपन्न करते रहना चाहिए। जिससे हमारे भविष्य की पीढ़ी हमारे धर्म एवं हमारी संस्कृति के विषय में जानकारी रहे।राजेश तिवारी के नेतृत्व में युवा जोश के साथ धर्म का कार्य कर रहे हैं। बासौदा श्री हिंदू सब समिति के द्वारा धार्मिक आयोजनों को लगातार संपन्न करने वाली संस्थाओं का सम्मान वास्तव में यह अनूठी और नगर के साथ क्षेत्र में पहला सफल प्रयास है। वहीं नगरपालिका अध्यक्ष शशि यादव के द्वारा आयोजन को लेकर अच्छी सोच बताते हुए धार्मिक आयोजनों को दिव्य और भव्य रूप देकर मनाना चाहिए।जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी ने आयोजन की प्रशंसा की ओर भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को होते रहना चाहिए। जिला जनपद सदस्य गायत्री रघुवंशी के द्वारा उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा की यह बहुत ही सराहनीय कार्य है जहा एक छत के नीचे नगर की इतनी सारी समितियों को एक साथ और सभी का सम्मान करना अस्मरणीय क्षण है।

उप तहसील पथरिया में अवैध कॉलोनी काटने वालों पर होगी एफआईआर, नोटिस जारी

एसडीएम के निर्देश, पथरिया की दो और अवैध कॉलोनीयों के विक्रय पर प्रतिबंध एवं नामांतरण पर रोक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विगत दिनों पूर्व खबर प्रकाशन की गई थी, अब मंडल पांच के नायब तहसीलदार विकास सिंह अग्रवाल हल्का पटवारी सुनील यादव के साथ उप तहसील पथरिया पहुंचे थे, जहां पर काटी जा रही अवैध कॉलोनीयों का उन्होंने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व में की गई कार्रवाई के अलावा दो और ऐसी अवैध कॉलोनीयां देखीं जिन पर अभी तक कार्रवाई नहीं हुई थी। उन्होंने ऐसी दो कॉलोनीयों को चिन्हित कर उनका बिंदुवार प्रतिवेदन बनाकर एसडीएम हर्षल चैधरी के समक्ष प्रस्तुत किया था। जिस पर एसडीएम चैधरी ने तत्काल एक्शन लेते हुए एक दिन में ही इन दो अवैध कॉलोनीयों पर कार्रवाई करते हुए तत्काल विक्रय पर प्रतिबंध एवं नामांतरण पर रोक

के निर्देश दिए हैं, साथ ही इन अवैध कॉलोनाइजरों को नोटिस देकर दस्तावेज मांगे गए हैं। यदि दस्तावेज नियम अनुसार नहीं पाए जाते हैं, तो इन पर एफआईआर की कार्रवाई की जाएगी। जिसका आदेश में जिक्र किया गया है।

गौरतलब है कि पथरिया में 8 अवैध कालोनी काटी जा रही थी पूर्व में जांच के दौरान 6 अवैध कॉलोनीयों पर नायब तहसीलदार के प्रतिवेदन पर एसडीएम हर्षल चैधरी ने कार्रवाई की थी लेकिन दो कॉलोनी को छोड़ा गया था। जिसको लेकर हमारे संवाददाता ने विगत दिवस पूर्व प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी खबर प्रकाशन के बाद एक्शन में आए अधिकारियों ने पुनः जांच कर इन दोनों अवैध कॉलोनीयों पर कार्रवाई की गई है।

अवैध कॉलोनी काटने वाले इन लोगों पर की जाएगी कार्रवाई

नायब तहसीलदार विकास सिंह अग्रवाल के जांच प्रतिवेदन पर एसडीएम हर्षल चैधरी ने उप तहसील पथरिया के ग्राम सियलपुर स्थित भूमि सर्वे नं. 949/3/2 रकबा 0.750 हेक्टेयर भूमि अबरार शाह पुत्र बशारत शाह के नाम दर्ज है, जिसके द्वारा उक्त भूमि में रोड डालकर अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही थी। ऐसे ही सर्वे नं. 894/1/2 रकबा 0.317 हेक्टेयर एवं सर्वे नं. 894/1/1 रकबा 0.189 हेक्टेयर भूमि मानली पत्नी सोनू प्रजापति के नाम दर्ज इस भूमि पर राजू प्रजापति द्वारा मुरम की रोड डालकर प्लाटों का विक्रय किया जा रहा था। एसडीएम ने अपने आदेश में लिखा है कि न्याय के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक है कि निरंतर हो राहे प्लाटध्भूखण्डों को विक्रय को तत्कालिक रूप से रोका जाए। इस आधार पर म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 32 के तहत वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम सियलपुर में इन सर्वे नंबरों पर राजस्व रिकार्ड में आगामी आदेश तक विक्रय से प्रतिबंधित की प्रविष्टि दर्ज की जाए एवं उक्त सर्वे नम्बरों के संबंध में नामांतरण की कार्यवाही आगामी आदेश तक रोकी जाती है। साथ ही कॉलोनी काटने संबंधित दस्तावेज लिए जाए यदि नहीं पाए जाते हैं तो एफआईआर की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सीएम के आदेश को किया जा रहा नजरअंदाज, स्वास्थ विभाग मेहरबान

लटेरी के हर चौराहे पर झोलाछाप डॉक्टरों का मकड़जाल फैला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा का स्वास्थ्य विभाग यह बो अमला है जिसने देखते ही देखते स्वास्थ्य सुविधाओं से खिलवाड़ करने बाली एक लंबी फौज खड़ी कर डाली। इस फौज में एक संगठन होता है और उस संगठन का अध्यक्ष भी फर्जीबाड़े से ग्रसित होता है। लिहाजा स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर लोगों की जान से खिलवाड़ करना और जब बात सर से ऊपर निकल जाए तो उन्ही शटरों को बंद कर भाग खड़ा होता है यह सरदार। दरअसल विगत दिनों मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक आदेश जारी किया था, नियत थी आम जन मानस को स्वास्थ्य की उत्तम सुविधाएं मिल सके और लोग फर्जी डॉक्टर के द्वारा की जा रही लापरवाहीयों से बच सकें। इस फर्जीवाड़े को रोकने के लिए जिले के कलेक्टर सहित स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार लोगों को तकीत किया गया थ। लेकिन मोहन सरकार के जन कल्याणकारी आदेश को लटेरी बीएमओ अभिषेक उपाध्याय ने मानो कचरे की टोकरी में फेंक डाला हो।

सिरोंज-लटेरी स्वास्थ्य विभाग की मंशा के अनुरूप नगर में पग - पग पर झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। कोई अपना क्लिनिक संचालित कर रहा है तो कोई इन्दोर पॉली क्लीनिक तो मल्टी स्पेशलिस्ट बनकर शासन के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहा है। इनके द्वारा धड़ल्ले से मरीजों का इलाज किया जाकर जमकर मरीजो से बसूली की जा रही है। इन तमाम कारगुजारियों के दौरान लटेरी बीएमओ द्वारा नोटिस नोटिस का खेल खेला जा रहा है।

झोलाछाप डॉ. की भरमार प्रशासनिक अमला मौन

सिरोंज-लटेरी नगर में कम से कम 80 से अधिक डॉक्टर हैं जिनके पास मेडिकल प्रैक्टिस के लिए किसी तरह की डिग्री और रजिस्ट्रेशन नहीं है। इनमें से कई लोगों के पास बैचलर ऑफ फार्मेसी की डिग्री है इसके सहारे उन्होंने अपना मेडिकल स्टोर खोला है पास ही खुद की क्लीनिक भी संचालित कर रहे हैं। इनमें कई कई ऐसे डॉ भी शामिल है जिनके पास किसी तरह की डिग्री तक नहीं है इसके बाद भी उन्होंने खुद के क्लीनिक खोल रखे हैं। नगर में कई ऐसे डॉ भी है

जिनके पास आयुर्वेदिक होम्योपैथी या यूनानी की डिग्री है मगर वे एमबीबीएस डॉक्टर की तरह इलाज कर रहे हैं।

कौन हैं झोलाछाप डॉक्टर?

झोलाछाप डॉक्टर वास्तव में उनको कहा जाता है जिन्होंने ना कभी चिकित्सा शास्त्र न पढ़े ना एमबीबीएस की डिग्री ली। कुछ लोग जो चिकित्सकों के यहां काम किए होते हैं अथवा इधर उधर से चिकित्सा से संबंधित थोड़ी बहुत जानकारी एकत्र कर लेते हैं वे नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा का व्यवसाय करने लगते हैं इसलिए इन्हें झोलाछाप डॉक्टर कहा जाने लगा।

नोटिस का खेल खेलते बीएमओ

समाचार पत्रों द्वारा झोलाछाप डॉक्टरों की खबरों का प्रकाशन बार-बार किया जाता रहा है। खबर प्रकाशित होने के कई दिनों बाद स्वास्थ्य विभाग ने नोटिस-नोटिस का खेल खेलने शुरू कर दिया। कई दिन फर्जी झोलाछाप डॉक्टरों को चिन्हित करने में निकाल दिए लेकिन मुख्यमंत्री के आदेश का पालन मुख्यमंत्री की मंशानुरूप नही किया गया। इससे यह विदित है कि सरकारी विभागों में नोटिस का खेल महज उगाही के लिए खेला जाता है। मेडिकल ऑफिसर अपनी आंखों पर पट्टी बांधे बैठे हुए हैं तांकि किसी गरीब की जान से खिलवाड़ हो सके।

महिलाओं-बच्चों के स्वास्थ्य से न हो खिलवाड़ : कलेक्टर

विदिशा कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित कर विभाग के जिलाधिकारियों सहित विभागीय अन्य अधिकारियों को सचेत करते हुए निर्देशित किया है कि विदिशा जिले में महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य सुविधाओं को ध्यानगत रखते हुए क्रियान्वित की जा रही योजनाओं में किसी भी प्रकार की कोताही ना बरती जाए। समीक्षा बैठक में सापेक्षित परिणाम परलिक्षित नहीं होने पर उन्होंने लटेरी, सिरोंज बीएमओ को शोकॉज नोटिस जारी करने तथा नटेरन के सीडीपीओ का वेतन रोकने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले में एक भी गर्भवती महिला की किन्ही भी कारणो से डिलेवरी घर अथवा रास्ते में नहीं होना चाहिए। गर्भवती महिलाओं की डिलेवरी किस माह में होना संभावित है कि सूची संधारित कर उनसे महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के ग्रामीण अमला सतत सम्पर्क में रहे और उनके घर वालो को आवश्यक टेलीफोन नम्बर अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं ताकि लेबर पेन होने पर अविलम्ब वाहन की सुविधा उपलब्ध हो। कलेक्टर श्री सिंह ने इस वित्तीय वर्ष में अब तक एक डिलेवरी घर पर होने एवं रास्ते अथवा लेबर पेन के दौरान 13 महिलाओं की मृत्यु हो जाने पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित क्षेत्रों के ग्राम स्तरीय अमले के साथ साथ वरिष्ठ व बीएमओ पर करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित विभाग के अन्य अधिकारयों से कहा है कि वे स्वंय स्वास्थ्य सुविधाओं के क्रियान्वयन पर नजर रखें हर रोज की अद्यतन प्रगति का डाटा जिला कार्यालय को हार्ड कॉपी में तथा कलेक्टर को वाटस अप के माध्यम से संप्रेषित करना सुनिश्चित करेंगे। जिले के दूरस्थ क्षेत्रो में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय रहवासियों को मिलने के संबंध में नवाचार कर हम उनके विश्वासों पर खरे उतरें।

अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन पर विशेष नजर

एक पॉकलेन मशीन और 2 डंपर जप्त

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन पर विशेष नजर रखी जा रही है। विदिशा तहसीलदार डॉक्टर अमित सिंह ने बताया कि प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आज राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही की गई है। ग्राम तरावली स्थित बंसल कंट्रक्शन द्वारा अवैध उत्खनन किया जा रहा था। टीम द्वारा मौके पर जाकर कार्यवाही कर एक पॉकलेन मशीन और 2 डंपर जप्त किए गए हैं।

साइबर फ्रॉड रोकने नागरिकों को दी जानकारी

गंजबासौदा। साइबर सुरक्षा अभियान सेफ क्लिक जन जागरूकता अभियान के तहत थाना बासौदा देहात द्वारा राजेंद्र नगर चौराहा पर पंपलेट वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम किया गया । पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशानुसार थाना प्रभारी बासौदा शहर निरीक्षक हरिकिशन लोहिया एवं सउपनिरीक्षक केसरी प्रसाद शर्मा एवं थाने का अन्य स्टाफ द्वारा साइबर सुरक्षा के संबंध में जागरूकता अभियान हेतु चौराहे के आसपास दुकानदारों को पैंपलेट वितरण के साथ बिंदुबार वर्तमान में किस तरीके के फ्रॉड चल रहे हैं उनके बारे में जानकारी दी गई। राजेंद्रनगर चौराहा पर किया एवं लोगों को साइबर सुरक्षा संबंधी एवं अभियान के संबंध में जानकारी दी गई। जिसमें सभी का सहयोग रहे एवं अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता अभियान की जानकारी पहुंच सके। जिससे लोगों के साथ साइबर अपराध घटित ना हो सके इस संबंध में जागरूकता साइबर फ्रॉड के बचाव आदि की जानकारी दी गई ।

बजट भारत को महाशक्ति बनाने की दिशा में सशक्त कदम : शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज-लटेरी विधानसभा से विधायक उमाकांत शर्मा ने भारत देश की केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत सालाना बजट पर प्रतिक्रिया दी है इन्होंने कहा है की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की 3.0 सरकार ने अपने पहले बजट में यह स्पष्ट कर दिया कि भारत विकास के सधे हुए रोडमैप पर अग्रसर है। यह बजट न केवल भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है, बल्कि प्रधानमंत्री के संकल्पकृगरीब, युवा, अन्नदाता और नारीकृके उत्थान को भी केंद्र में रखता है।

केंद्र सरकार की वित्तमंत्री डॉ. निर्मला सीतारमण ने बजट में समावेशी विकास को प्राथमिकता देते हुए मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा वर्ग को बड़ी राहत प्रदान की है। 12 और 12.75 लाख तक की आय को कर-मुक्त करने के निर्णय से आम नागरिक की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिससे बाजार को नई ऊर्जा मिलेगी। इसके साथ ही, यह बजट आत्मनिर्भर भारत, उद्यमशीलता और नवाचार को भी बढ़ावा देता है। इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, स्टार्टअप और महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने वाले प्रावधान भारत के नवीन आर्थिक युग की नींव रखेंगे। सही मायनों में, यह बजट विकास, समृद्धि और नवाचार की नई इबारत लिखने वाला है, जो भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति के शिखर पर पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

कृषक सीएससी केंद्रों से बनवा सकेंगे फार्मर रजिस्ट्री

सिरोंज। कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री के त्वरित निर्माण के लिए पटवारी, स्थानीय युवा एवं कृषकों के अतिरिक्त सीएससी केंद्रों के सहयोग से बायोमेट्रिक की सुविधा के माध्यम से भी पंजीयन की कार्रवाई पूर्ण की जा सकेगी। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि सीएससी केंद्र के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए कृषक द्वारा नियत शुल्क राशि 15 रुपए सीएससी केंद्र को देना होगी।

समग्र पोर्टल एवं लोक सेवा केंद्र 4 से 10 तक बंद रहेंगी

सिरोंज। समग्र पोर्टल और लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से दी जाने वाली सभी सेवाएं फरवरी माह की तारीख 4 से 10 तक कुल सात दिनों तक उपलब्ध नहीं रहेंगी। तकनीकी सुधार और सिस्टम अपग्रेडेशन के कारण यह निर्णय लिया गया है, जिससे नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान से यशपाल और सन्नी सोनी को मिला नियुक्ति आदेश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान अंतर्गत विदिशा में आयोजित शिविर में विदिशा नगरीय क्षेत्र के दो युवा यश पाल पुत्र स्वर्गीय नर्मदा प्रसाद पाल और सन्नी सोनी पुत्र राजकुमार सोनी को जनकल्याण शिविर में आवेदन प्रस्तुत करने के उपरांत तुलावट अनुज्ञप्ति आदेश प्रदान किया गया है। यश पाल पुत्र स्व. नर्बदा प्रसाद पाल ने बताया कि वह टीलाखेडी विदिशा के निवासी हैं। उनके पिता नर्बदा प्रसाद पाल मण्डी विदिशा में तुलावटी का कार्य करते थे, जिनका गंभीर बीमारी के चलते आकस्मिक निधन हो गया था। परिवार में पिताजी की आय से ही पूरे परिवार का भरण-पोषण होता था। पिताजी के निधन के बाद परिवार की

स्थिति बहुत बिगड गई थी, जिसके चलते यश भी कहीं न कहीं नौकरी की तलाश में थे। इसी दौरान वह जनकल्याण शिविर में पहुंचे। जहां से उन्हें 8 जनवरी 2025 को पिता के स्थान पर यश पाल को तुलावटी अनुज्ञप्ति प्रदान कर नियुक्ति आदेश प्रदान किया गया है।

इसी प्रकार सन्नी सोनी पुत्र राजकुमार सोनी ने बताया कि उनके पिताजी श्री राजकुमार सोनी मण्डी विदिशा में तुलावटी का कार्य करते थे जो कि स्वास्थ्य के चलते कार्य करने में सक्षम नहीं थे। उनके परिवार में पिताजी की आय से ही पूरे परिवार का भरण-पोषण होता था। सोनी ने मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर में पहुंचकर आवेदन किया और मण्डी कार्यालय द्वारा तुलावटी अनुज्ञप्ति हेतु आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी सन्नी के पिता के तुलावटी कार्यों में अक्षम होने पर उन्हें तुलावटी अनुज्ञप्ति प्रदान कर नियुक्ति आदेश दिया गया है। तुलावटी का कार्य मिल जाने से सन्नी के पिता खुश है। वह कहते हैं कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान मेरे लिये वरदान साबित हुआ जिससे मैं अब आत्मनिर्भर होकर परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान कर पा रहा हैं।

मेट्रो एंकर नगर पालिका परिषद सख्त, जांच करने निकले सीएमओ

गटर का पानी सीधा नाले में ,छोड़ने वालों पर नपा करेगी बड़ी कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

खुले में गटर का पानी छोड़ने वालों को यहां लापरवाही जल्दी ही महंगी पढ़ सकती है । क्योंकि नगर पालिका परिषद के द्वारा लैट्रिन का पानी सीधा पाइप के माध्यम से नाले में छोड़ने का काम जिनके द्वारा किया जा रहा है। इनकी सूची बनाकर शीघ्र ही धरातल पर बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी नगर पालिका प्रशासन प्रारंभ करेगा इसकी जांच करने के लिए नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू और निर्माण शाखा के प्रभारी बालमुकुंद कुशवाहा के साथ नाले का जायजा लेने पहुंचे उन्होंने देखा कि नाले में कितने लोगों के द्वारा टैंक का निर्माण किए बगैर ही पाइप के माध्यम से सीधे लैट्रिन को नाले में निकलने का कार्य किया जा रहा है। इस वजह से खुले में गंदगी होती है और नाला नालियां भी चैक होने से समस्या उत्पन्न होती है कई तरह की बीमारियां फैलती है गंदगी बदबू होने से भी लोगों को परेशानी होती है। नगर पालिका सीएमओ ने निरीक्षण करने के बाद को नाले में गटर डालने वालों की शीघ्र सूची बनाकर देने निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अमले को दिए हैं इसके बाद ऐसा करने वालों को पहले नगर पालिका परिषद के द्वारा चेतावनी दी जाएगी कि सीधा गटर नाले में उतारने का काम पाइप के माध्यम से जिनके द्वारा किया जा रहा है पहले

गड्ढा बना उसके माध्यम से ही गटर का पानी नाले में डालने का काम किया जाए जिनके द्वारा नगर पालिका के नोटिस के बाद भी गड्ढा बनवाकर गटर उतारने का कार्य नहीं किया गया तो ऐसे लोगों पर धरातल पर बड़ी कार्रवाई नगर पालिका के द्वारा बड़े पैमाने पर कांडी कार्रवाई भी की जा सकती है। अभी सैकड़ो की संख्या में लोगों के द्वारा गटर नाले में डालने का काम किया जा रहा है - इनके पाइपों को बंद करने का काम भी नगर पालिका अपने स्तर पर करवा सकती है ऐसा होने पर उनकी मुश्किलें बढ़ जाएगी। इसके बाद जरूर इनके द्वारा सेफ्टी टैंक का निर्माण करवाना होगा तभी इनका पानी नाले में जा पाएगा ऐसा नहीं होने पर उनकी लैट्रिन का उपयोग भी भी बंद हो जाएगा साथ ही ऐसा करने वालों पर बड़े पैमाने पर जुर्माना भी नगर पालिका परिषद लगा सकती हैं। वैसे भी शासन के नियम अनुसार सेफ्टी टैंक के निर्माण के बगैर नालों तथा नालियों में गटर का पानी नालों में डालने कार्य नहीं किया सकता ऐसा करने वालों पर कार्रवाई का प्रावधान है। इसके बाद भी कई लोगों के द्वारा इसके विपरीत सीधा गटर नाले और नालियों डालकर गंदगी करने का कार्य भी किया जा रहा।इस तरह से पाइप के जरिए सीधी लैट्रिन नाले और नालियों में डालने से गंदगी फैलती है बीमारियां भी पनप रही है स्वच्छता पर भी सवाल खड़े होते हैं दूसरी ओर नाले नाली इसकी वजह से चैक होते हैं। उनके समाधान के लिए नगर पालिका परिषद के द्वारा शहर में कई जगह नालों का निर्माण भी करवा रही है। इसी कम में छतरी नाके से लेकर कस्टम पथ तक नाले का निर्माण कार्य चल रहा है इसकी जांच करने के लिए नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू जांच करने पहुंचने तथा ठेकेदार को गुणवत्ता के साथ काम करने के निर्देश विधि आसपास के रहवासियों से नाले की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी भी ली ।

सेकंडों घरों में नहीं है टैंक

नगर के सैकड़ो घरों में आज भी सेपटी टैंक नहीं हैं, गटर सीधा नाली और नाले में डालने का काम करके गंदगी फैलाने का काम भी किया जा रहा है। इस वजह से कई बार रहवासियों को गंदगी से परेशानी होती है खुले में गटर छोड़ने वालों पर कार्रवाई का प्रावधान है वही देखना है कि प्रशासन गंदगी करने वालों पर कार्रवाई कर पाएगा या नहीं।

इनका कहना है

जिन लोगों के द्वारा पाइप के माध्यम से सीधा गटर नाले में उतारने का काम किया जा रहा है उनके खिलाफ जल्दी हम बड़ी करवाई करने वाले हैं।

-राम प्रकाश साहू सीएमओ

38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड को 6 पदक: 32 पदक के साथ महाराष्ट्र नंबर वन, मणिपुर व कर्नाटक का भी दबदबा

देहरादून, एजेंसी

उत्तराखंड को आज से शुरू हो रहे योगासन और बॉक्सिंग में भी पदक की आस है। योगासन को पहली बार राष्ट्रीय खेलों में शामिल किया गया है। 38 वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड की झोली में सात और पदक पक्के हैं। वुशु में चार और बैडमिंटन में दो खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। वहीं बीच हैंडबॉल में उत्तराखंड स्वर्ण पदक के लिए जान लगाएगा। राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड को अब तक वुशु में एक स्वर्ण और दो रजत पदक मिले हैं। इसके अलावा बैडमिंटन, बीच हैंडबॉल सहित कुछ अन्य खेलों में उसे पदक मिलने की उम्मीद है। राज्य को आज से शुरू हो रहे योगासन और बॉक्सिंग में भी पदक की आस है। योगासन को पहली बार राष्ट्रीय खेलों में शामिल किया गया है।

पदक तालिका में कर्नाटक का दबदबा बरकरार

उत्तराखंड में चल रहे राष्ट्रीय खेलों की पदक तालिका में कर्नाटक का दबदबा बरकरार है। कर्नाटक सात स्वर्ण पदक सहित कुल 12 पदकों के साथ पहले नंबर पर है। जबकि मणिपुर ने छह स्वर्ण पदक सहित 11 पदक जीते हैं। जो पदक तालिका में दूसरे एवं महाराष्ट्र चार स्वर्ण सहित 23 पदकों के साथ तीसरे नंबर पर है। बता दें कि गोवा राष्ट्रीय खेलों में महाराष्ट्र ने पहला स्थान प्राप्त किया था। लेकिन अभी तक की स्पर्धाओं में कर्नाटक के खिलाड़ियों का वर्चस्व दिखाई दिया है। हालांकि अभी खेलों की शुरुआत हैं। खेल जानकारों के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में महाराष्ट्र और सर्विसेज के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन के दम पर तालिका में सुधार ला सकते हैं। बता दें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड को अब तक वुशु में एक स्वर्ण और दो रजत पदक मिले हैं।

ओपनिंग मैच में रैना और धवन आमने-सामने

लीजेंड-90 लीग 6 से रायपुर में शुरू होगी, 7 टीमें खेलेंगी टूर्नामेंट

नईदिल्ली, एजेंसी

रायपुर में लीजेंड-90 लीग की शुरुआत 6 फरवरी से होने जा रही है। ब्लॉकबस्टर टूर्नामेंट की शुरुआत छत्तीसगढ़ वॉरियर्स और दिल्ली रॉयल्स के बीच मुकाबले से होगी। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन इस मुकाबले में शामिल होंगे। टूर्नामेंट की खास बात यह है कि इसमें 90 बॉल की एक पारी होगी।

7 टीमें हिस्सा ले रही हैं। 7 फरवरी से टूर्नामेंट में हर दिन 2 मैच खेले जाएंगे। 17 फरवरी को क्वालिफायर मैच होंगे। वहीं 18 फरवरी को फाइनल खेला जाएगा। 7 फरवरी को राजस्थान किंग्स और दुबई जायंट्स के बीच पहला मैच होगा। वहीं गुजरात सैंपआर्मी और बिग बॉयज के बीच दूसरा मैच खेला जाएगा।

कार्यक्रम के बारे में बोलते हुए लीजेंड 90 लीग के डायरेक्टर शिवेन शर्मा ने कहा, सुरेश रैना, शिखर धवन, हरभजन सिंह जैसे खिलाड़ियों को एक बार फिर मैदान पर देखना रोमांचित करने वाला है। यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि पूर्व दिग्गजों से जुड़ीं उन यादों को दोबारा जिंदा करने का मंच है, जिस पर दर्शक कभी तालियां बजाया करते थे। निश्चित तौर पर यह सभी के लिए अनोखे प्रारुप वाला टूर्नामेंट होगा।

गप्टिल-रायडू भी खेलेंगे छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के पास मार्टिन गुप्टिल, सुरेश रैना और अंबाती रायडू जैसे ताबड़तोड़ खिलाड़ी हैं, जबकि दिल्ली रॉयल्स के पास रॉस टेलर और शिखर धवन जैसा अनुभव मौजूद है। हरियाणा ग्लेडियेटर्स की कमान फिरकी के जादूगर हरभजन सिंह संभालेंगे। वहीं, वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो राजस्थान किंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिन अल हसन दुबई जायंट्स के लिए खेलते नजर आएंगे।

सभी टीमें और खिलाड़ी

- **दुबई जायंट्स:** शाकिब अल हसन, थिसारा परेरा, केनर लुईस, केविन ओ ब्रायन, ब्रेंडन टेलर, लियाम प्लंकेट, ड्वेन स्मिथ, एच मसाकद्ज़ा, रिचर्ड लेवी, ल्यूक फ्लेचर, राहुल यादव, क्रिस्टोफर एम, सिड त्रिवेदी, एस प्रसन्ना
- **छत्तीसगढ़ वारियर्स:** सिद्धार्थ कौल, शेल्डन जैक्सन, पवन नेगी, केविन कूपर, सुरेश रैना, विशाल कुशवाहा, मार्टिन गुप्टिल, अभिषेक सकूजा, अंबाती रायुडु, अमित वर्मा, गुरकीरत सिंह मान, अमित मिश्रा, ऋषि धवन, कलीम खान, उन्मुक्त चंद, मनोज सिंह, अभिमन्यु मिथुन, कॉलिन डी ग्रैंडहोम
- **हरियाणा ग्लेडिएटर्स:** पवन सुयाल, प्रवीण गुप्ता, अबू नीशम, अनुरीत सिंह, इमरान खान, असेला गुनारत्ने, इशांक जग्गी, हरभजन सिंह, नागेंद्र चौधरी, रिक्की क्लार्क, पीटर ट्रेगो, चाडविक वाल्टन, मनन शर्मा
- **गुजरात सैंप आर्मी:** युसुफ पठान, मोइनी अली, ओबस पिएनार, सौरभ तिवारी, केसरिक विलियम्स, जेसल करिया, मिगुएल कमिंस, चंद्रपॉल हेमराज, शापूर ज़ाद्रान, मोहम्मद अशरफुल, विलियम पर्किन्स, नवीन स्टीवर्ट, अभिषेक, चतुरंगा डी सिल्वा, मौसिफ खान
- **बिग बॉयज:** मैट प्रायर, इशान मल्होत्रा, मोनू कुमार, चिराग गांधी, तमीम इकबाल, तिलकरत्ने दिलशान, हर्शेल गिब्स, उपल थरंगा, अब्दुर रज्जाक, शैनन गेब्रियल, वरुण आरोन, नील ब्रूम, करमवीर सिंह, रॉबिन बिस्ट, नमन शर्मा, कपिल राणा, विनोद चांवरिया
- **दिल्ली रॉयल्स:** शिखर धवन, लेंडल सिमन्स, दनुश्क गनथिलका, एंजेलो परेरा, सहरद लुम्बा, बिपुल शर्मा, लखविंदर सिंह, राजविंदर सिंह, रयाद इमरीत, रॉस टेलर, जेरोम टेलर, सुमित नरवाल, परविंदर अवाना
- **राजस्थान किंग्स:** ड्वेन ब्रावो, अंकी राजपूत, फिल मस्टर्ड, शाहबाज़ नदीम, फैज़ फज़ल, शादाब जकाती, जसकरन मल्होत्रा, इमरान ताहिर, जयकिशन कोलसावला, राजेश बिश्नोई, कोरी एंडरसन, पंकज राव, शमीउल्लाह शिनवारी, रजत सिंह, एशले नर्स, दवलत जादरान, मनप्रीत गोनी

टॉप-10 कंपनियों में 7 की वैल्यू 1.83 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

बैंकिंग शेयरों की खरीदारी सबसे ज्यादा रही

मेट्रो बाजार

मुंबई, एजेंसी

मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 का मार्केट कैप बीते हफ्ते के कारोबार में 1.83 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इस दौरान देश के तीन बड़े बैंकों- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की वैल्यू 84 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ी है। कारोबार के बाद हिंदुस्तान यूनिलीवर की वैल्यू सबसे ज्यादा 32,471 करोड़ रुपए बढ़कर 5.89 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। इसके अलावा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मार्केट कैप भी बढ़ा है। वैल्यूएशन के लिहाज से देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मार्केट कैप 28,058 करोड़ रुपए कम हुआ है। हफ्तेभर के कारोबार के बाद कंपनी का मार्केट कैप 14.74 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है। एक सप्ताह पहले ञ्जष्टस्की मार्केट वैल्यू ?15.02 लाख करोड़ रुपए थी। इसके अलावा भारती एयरटेल की वैल्यू 11,212 करोड़ रुपए और इंफोसिस की वैल्यू 9,653 करोड़ रुपए कम हुई है।

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटल नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है, ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है, उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है।

नया नियम: आधार से लिंक होंगे वाहनों के आरसी-ड्राइविंग लाइसेंस!

नईदिल्ली, एजेंसी

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के लिए अपना मोबाइल नंबर या पता बदलकर जुर्माने से बचने के दिन खत्म होने वाले हैं, क्योंकि जल्द ही वाहन पंजीकरण (आरसी) और ड्राइविंद लाइसेंस (डीएल) को आधार से लिंक कराने की तैयारी है। सड़क परिवहन मंत्रालय वाहन मालिकों व ड्राइविंग लाइसेंस धारकों के लिए आधार से लिंक्ड एड्रेस (पता), मोबाइल नंबर और अन्य विवरण अपडेट करना अनिवार्य करने के लिए एक नया नियम लाने पर विचार कर रहा है। यानी अगर आपके पास कार, बाइक या कोई भी मोटर वाहन है, तो सरकार जल्द ही आपसे अपने एड्रेस डिटेल अपडेट करने और उन्हें आधार से लिंक करने के लिए कह सकती है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, परिवहन विभाग ने नियम तोड़ने वाले लोगों को जो चालान जारी किए हैं, उनमें से 12,000 करोड़ रुपए से अधिक के ई-चालान का भुगतान नहीं किया गया है। इस विफलता की मुख्य वजह कि जिस डेटाबेस से परिवहन विभाग ई-चालान प्रणाली को चला रहा है, वह सही नहीं है। इनमें लोगों के पते और मोबाइल अपडेट नहीं होते हैं। मंत्रालय इसे मोटर वाहन अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों का हिस्सा बनाने पर विचार कर रहा है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य सड़क पर वाहन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगाम लगाना है। अधिकारियों ने कहा, ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले कई लोग लगाया गया जुर्माना नहीं भर रहे हैं। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों पर नजर रखने के लिए एक सख्त निगरानी तंत्र की आवश्यकता है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'दंगल गर्ल' बोलीं- साउथ फिल्म का मिला था ऑफर, एजेंट ने कहा सबकुछ करने को तैयार हो?

एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने आमिर खान की फिल्म दंगल से अपनी पहचान बनाई थी। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, खासकर कास्टिंग काउच का। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कास्टिंग डायरेक्टर्स नए एक्टर्स से उनकी कमाई का एक हिस्सा मांगते थे। बॉलीवुड बबल से बातचीत में फातिमा सना शेख ने कहा, 'मुझे एक साउथ इंडियन फिल्म के लिए कॉल आया था। कास्टिंग एजेंट ने मुझे असहज महसूस कराया। उसने मुझसे पूछा था कि तुम सब कुछ करने के लिए तैयार रहोगी न? मैंने जवाब दिया कि मैं मेहनत करूंगी और रोल के लिए जो भी जरूरी होगा, वो करूंगी। लेकिन वह बार-बार वही सवाल पूछता रहा। हालांकि, मैंने जानबूझकर उसका जवाब नहीं दिया, ताकि देख सकूं कि वह कितनी दूर जा सकता है।' फातिमा की मानें तो शुरुआती दौर में उन्हें लगता था कि अगर वे साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम कर लें, तो बॉलीवुड में उनके लिए रास्ता खुल जाएगा। इसी उम्मीद में वो एक फिल्म के लिए ऑडिशन देने गई थीं। सभी लोग एक कमरे में थे और निर्माता इशारों में कह रहे थे कि आपको कुछ लोगों से मिलना होगा। वे सीधे तौर पर कुछ नहीं कहते थे, लेकिन उनका मतलब साफ था। हालांकि, एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि हर कोई ऐसा नहीं होता। इसके अलावा, फातिमा ने बताया कि हर स्टूडियो में ऑडिशन देने की अलग-अलग प्रक्रिया होती थी। इन स्टूडियो में आने वाले कास्टिंग डायरेक्टर्स एक्टर्स को एड और कमर्शियल्स से मिलने वाले पैसे पर भी हक जताते थे। कई दफा तो डायरेक्टर्स कमाई का हिस्सा पहले ही ले लेते थे।

इस साल कई बॉलीवुड सितारे साउथ सिनेमा में करेंगे डेब्यू

साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री 2025 में कई बॉलीवुड अभिनेताओं के लंबे समय से बहुप्रतीक्षित डेब्यू हो रहे हैं। मनोरंजक एक्शन थ्रिलर से लेकर हंसी-मजाक से लोट-पोट कर देने वाली कॉमेडी तक, ये अभिनेता दक्षिण में अपना अनूठा आकर्षण लाने के लिए कमर कस रहे हैं, जिसमें सांस्कृतिक रूप से सिनेमाई प्रतिभा का प्रदर्शन होगा। अपनी प्रतिभा और परियोजनाओं के साथ, ये अभिनेता दक्षिण भारतीय दर्शकों पर एक अमिट छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

अली फजल: मणिरत्नम की ठग लाइफ में

अली फ़ज़ल, जो मिर्ज़ापुर और विक्टोरिया एंड अब्दुल जैसी फिल्मों में अपने बहुमुखी प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, ठग लाइफ के साथ साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में भी कदम रख रहे हैं। मणिरत्नम द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कमल हासन और रोहित सराफ सहित कई कलाकार शामिल हैं। अली की विविध भूमिकाओं को अपनाने की क्षमता उन्हें इस महत्वाकांक्षी अखिल भारतीय परियोजना के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाती है।

करीना कपूर का अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट

करीना कपूर अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट के साथ दक्षिण भारतीय फिल्म में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपने बेहतरीन अभिनय और आकर्षण के लिए मशहूर करीना की साउथ में एंट्री काफी प्रतीक्षित है। हालांकि फिल्म का विवरण अभी भी गुप्त है, लेकिन प्रशंसक किसी ब्लॉकबस्टर से कम की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। उनकी उपस्थिति निश्चित रूप से इस रोमांचक प्रोजेक्ट में भव्यता और शक्ति का स्पर्श जोड़ेगी।

रोहित सराफ : 'ठग लाइफ'

सराफ ठग लाइफ के साथ साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहे हैं। मणिरत्नम द्वारा निर्देशित इस अखिल भारतीय परियोजना में रोहित सराफ, कमल हासन और अली फजल जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। एक्शन और ड्रामा के मिश्रण के साथ, ठग लाइफ एक सिनेमाई मनोरंजन होने का वादा करता है, और रोहित इसका हिस्सा बनेंगे।

शनाया कपूर: 'वृषभ'

शनाया कपूर अपनी साउथ इंडियन डेब्यू के लिए तैयार हैं, जो बहु-भाषी फिल्म वृषभ में होगी। इसमें वे दिग्गज अभिनेता मोहनलाल के साथ नजर आएंगी, और यह फिल्म एक सिनेमाई भव्यता का वादा करती है। एकता कपूर द्वारा निर्मित और प्रसिद्ध फिल्मकार नंद किशोर द्वारा निर्देशित वृषभ एक हाई-ऑक्टेन ड्रामा है जो एक्शन और इमोशन का मिश्रण है।

आपत्तिजनक अफवाहों पर भड़कीं तब्बू

एक्ट्रेस की टीम ने बयान जारी करके मनगढ़ंत रिपोर्ट हटाने और माफी मांगने को कहा

एक्ट्रेस तब्बू ने अपने खिलाफ फैलाए गए आपत्तिजनक अफवाहों पर गुस्सा जाहिर किया है, जिसमें कहा गया था कि मुझे शादी में दिलचस्पी नहीं है, बल्कि मुझे सिर्फ अपने बिस्तर पर मर्द चाहिए। तब्बू की टीम ने ऐसी खबरों को प्रसारित करने वाले मीडिया हाउस को फटकार लगाई है। इस मामले में तब्बू की टीम ने एक सार्वजनिक बयान जारी किया है। जिसमें उन मीडिया रिपोर्ट्स की आलोचना की है, जिनमें शादी के बारे में एक्ट्रेस के विचार पब्लिश किए थे। तब्बू की टीम ने अपनी इस हरकत के लिए मीडिया हाउस से औपचारिक रूप से माफी मांगने को कहा है। एक्ट्रेस की टीम ने बयान जारी करके मनगढ़ंत रिपोर्ट हटाने और माफी मांगने को कहा एक्ट्रेस तब्बू ने अपने खिलाफ फैलाए गए आपत्तिजनक अफवाहों पर गुस्सा जाहिर किया है, जिसमें कहा गया था कि मुझे शादी में दिलचस्पी नहीं है, बल्कि मुझे सिर्फ अपने बिस्तर पर मर्द चाहिए। जानकारी मुताबिक तब्बू की टीम ने बयान में कहा- कुछ वेबसाइट और सोशल मीडिया ने तब्बू के बयान को गलत तरीके से पब्लिश किया है। इससे पाठकों को गुमराह किया जा रहा है। हम यह स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि एक्ट्रेस ने कभी ऐसा कुछ नहीं कहा है। बता दें कि एक वेबसाइट ने एक्ट्रेस के बारे में एक न्यूज पब्लिश की थी। जिसमें यह दावा किया था कि तब्बू ने कहा मैं शादी में दिलचस्पी नहीं रखती है और केवल एक मर्द चाहती हूं जिसके साथ मैं बिस्तर पर सो सकूं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो तब्बू हाल ही में फिल्म 'ड्यून- प्रॉफेसी' में सिस्टर फ्रांसेस्का के रोल को लेकर चर्चा में आईं थीं। इस समय उनके पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। वो 25 साल के बाद अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आएंगी। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले तब्बू और अक्षय कुमार एक साथ फिल्म 'हेरा फेरी' में नजर आए थे।

जेवर, बाइक समेत साढ़े 13.50 लाख का माल बरामद

जेल से छूटकर बनाया गिरोह और करने लगे थे वारदात, तीन बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर पुलिस ने 3 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनसे चोरी की तीन बाइक और सोने-चांदी के जेवर समेत साढ़े 13 लाख रुपए का माल बरामद किया है। तीनों शातिर बदमाशों को तीन तीन साल की सजा हुई थी और कुछ महीने पहले ही वह जेल से बाहर आए थे। इसके बाद वारदात करनी शुरू कर दी। प्रारंभिक पूछताछ में कमला नगर, कोतवाली, पिपलानी और तलैया में हुई कुल 6 वारदातों का खुलासा हुआ है।

एडिशनल डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे ने बताया कि सहयाद्री परिसर कमला नगर में रहने वाले सतीश कुमार नेमा 27 जनवरी को परिवार के साथ एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वापस लौटे तो घर का ताला टूटा मिला और सामान बिखरा था। चेक करने पर अलमारी में रखे सोने के कंगन, सोने की चेन, पैंडल, 3 मंगलसूत्र, कान की चार बाली, चांदी की पायल, चांदी के सिक्के और 25 हजार रुपए नकदी समेत अन्य सामान नहीं था। पुलिस ने सतीश की शिकायत पर चोरी का प्रकरण दर्ज किया।

सीसीटीवी फुटेज से पकड़ाए घटना के आरोपी

पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे। इस दौरान संदेही मकान के अंदर घुसते हुए नजर आए। इन दोनों की पहचान पुराने बदमाशों नियाज और राजू खत्री के रूप में हुई। दोनों को शास्त्री नगर स्थित मैदान के पास से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने साथी आबिद के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार लिया। पुलिस ने तीनों की निशानदेही पर कमला नगर, कोतवाली, तलैया और पिपलानी इलाके से चोरी की गई तीन मोटर सायकिलें और जेवरात समेत करीब साढ़े 13 लाख रुपए का माल बरामद कर लिया। आरोपी नियाज खान (40) निवासी बैंगलोर कर्नाटका हाल पता गड्डे वाली मल्टी टीटी नगर, राजू खत्री (52) निवासी गड्डे वाली मल्टी टीटी नगर और आबिद खान (47) निवासी आष्टा जिला सीहोर ने मिलकर वारदात की थी। यह तीनों दोस्त हैं। आरोपी नियाज और राजू को चोरी के मामले में तीन-तीन साल की सजा हो चुकी थी। यह तीनों पिछले साल अक्टूबर और नवंबर महीने में जेल से बाहर आए थे। नंबर प्लेट बदलकर करते था वारदात कमला नगर थाना प्रभारी निरूप पांडेय ने बताया कि आरोपी चोरी की बाइकों की नंबर प्लेट बदलकर नकबजनी और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। नियाज खान बैंगलोर और भोपाल दोनों स्थानों पर रहता है।

घर के सामने टहल रही बुजुर्ग से चेन झपटी, भीड़ ने लुटेरे पुलिस को सौंपे

भोपाल। कोलार रोड थाना क्षेत्र स्थित दानिश कुंज में शनिवार शाम घर के सामने टहल रही 66 साल की बुजुर्ग महिला के गले बदमाश ने सोने की चेन झपट ली। महिला का शोर सुनकर आसपास के लोगों ने लुटेरे को दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी से लूटी गई चेन बरामद की है। चेन की कीमत एक लाख 20 हजार रुपए जा रही है। पुलिस के अनुसार दानिश कुंज सेक्टर-एक कोलार निवासी कमलेश कुमारी पत्नी श्याम प्रकाश (66) विगत एक फरवरी की शाम करीब साढ़े 6 बजे अपनी कॉलोनी के रोड पर घर के पास अपनी पड़ोसन के साथ पैदल घूम रही थीं। इस दौरान सामने से छोटे कद का एक युवक उनके पास पहुंचा और गले से सोने की चेन झपटकर भाग निकला। कमलेश कुमारी ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद ने आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह भाग निकला। सूचना मिलते ही कुछ देर बाद डायल 100 पहुंची औश्र कॉलोनी के लोगों की मदद से आरोपी को पकड़ लिया गया। आरोपी से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम बबलू उर्फ पंकज सरकार (22) निवासी आनंद नगर गुप्ता कॉलोनी पिपलानी, होना बताया। आरोपी ने लूट की वारदात को अंजाम देना कुबूल कर लिया। निशानदेही पर पुलिस ने लूटी गई सोने की चेन भी बरामद कर ली है।

ट्रेवल्स संचालक ने किराए पर ली कार हड़पी, 5 माह का किराया भी नहीं दिया

भोपाल। निशातपुरा पुलिस ने डिजायर कार के मालिक की शिकायत पर ट्रेवल्स एजेंसी संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने करीब पांच माह पूर्व 25 हजार रुपए प्रतिमाह पर कार किराए पर ली थी। महज 15 दिन का किराया देने के बाद आरोपी ने किराया देना बंद कर दिया बाद में वह कार लेकर फरार हो गया। उसका मोबाइल भी बंद आ रहा है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से जिला रायसेन निवासी सौरभ चौहान (25) यहां पंचवटी कॉलोनी करोंद में रहते हैं और होटल का कारोबार करते हैं। अप्रैल 2024 में उन्होंने नई डिजायर कार 8 लाख रुपए में खरीदी थी। उन्हें अपनी कार किसी ट्रेवल्स कंपनी में किराए से लगाना थी। इसी तारत य में उनकी मुलाकात टेक एन ड्रायव ट्रेवल्स कंपनी के संचालक नवीन विधानी से हुई। नवीन विधानी ने 25 हजार रुपए प्रतिमाह पर सौरभ की कार किराए पर ले ली। शुरू के 15 दिन आरोपी ने सौरभ को बराबर किराया दिया लेकिन फिर उसने किराया देना बंद कर दिया। पहले तो वह टाल-मटौल करता रहा, फिर बाद में उसने किराया देने से इनकार कर दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ पायल मोदी का वीडियो

न्याय के लिए अदालत जाएगा पायल का परिवार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जयश्री गायत्री फूड कंपनी की डायरेक्टर पायल मोदी के बयान के बाद भी चूनाभट्टी पुलिस ने पहले से चल रही जांच का हवाला देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की है। इस दौरान अस्पताल में भर्ती पायल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें उन्होंने पुराने आरोपों को दोहराया है। अब पायल और उनका परिवार न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहा है।

जानकारी के अनुसार जयश्री गायत्री फूड कंपनी की डायरेक्टर पायल मोदी के ठिकानों पर बीते बुधवार को ईडी ने कार्रवाई की थी. उसके अगले दिन पायल ने जहरीला पदार्थ खा लिया था, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल से मिली पीएमएलसी के बाद शनिवार को चूनाभट्टी पुलिस ने पायल के बयान दर्ज किये थे। हालांकि पुलिस ने पूर्व से ईओडब्ल्यू और ईडी द्वारा की जा रही जांच का हवाला देते हुए बयानों को सार्वजनिक करने से इंकार कर दिया था। पुलिस का तर्क था कि पहले से ही कंपनी के खिलाफ एजेंसियां जांच कर रही हैं, ऐसे में अलग से जांच करने की जरूरत नहीं है। वीडियों में पायल ने आरोप दोहराए जहर खाने के बाद पायल के हाथ से लिखा हुआ एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के रिश्तेदारों द्वार प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए थे। रविवार को पायल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने पत्र में लिखे आरोपों को दोहराया है. पायल का कहना है कि वर्ष 2021 में उनके यहां चोरी हुई थी, जिसकी शिकायत पुलिस से की गई थी. उस वक्त भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। उसके बाद से ही उनको प्रताड़ित किया जाने लगा था। ईओडब्ल्यू की कार्रवाई के बाद 40 दिनों तक उनकी फैक्टरी भी बंद करवाई गई थी. परिजनों ने बताया कि बयान के बाद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। रविवार को पुलिस ने उनका आवेदन लेने से भी इंकार कर दिया, इसलिए अब न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

14 साल की छात्रा से सीनियर छात्र ने की छेड़छाड़, केस दर्ज

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में 14 साल की छात्रा से सीनियर छात्र द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर अड़ीबाजी और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर नाबालिग छात्र जबरन दोस्ती करने और बात करने का दबाव बना रहा था। पुलिस के अनुसार अशोका गार्डन क्षेत्र में रहने वाली 14 साल की बालिका छठवीं कक्षा की छात्रा है। इलाके में रहने वाला किशोर उसी स्कूल में सातवीं कक्षा का छात्र है। कुछ समय पहले तक दोनों में दोस्ती थी। दोनों साथ-साथ घूमने भी जाते थे। इस दौरान किशोर ने अपने मोबाइल से सेल्फी और वीडियो भी बना लिए। इसका छात्रा को पता ही नहीं चला। कुछ दिन बाद वह छात्रा पर प्रेम संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। सीनियर छात्र की नीयत पर संदेह होते ही छात्रा ने दूरी बना ली। इस बीच छात्रा के परिजन को जब यह बात पता चली तो उन्होंने दोनों को समझाइश दी। इधर आरोपी मानने को तैयार नहीं था। वह छात्रा का आते-जाते पीछा करने लगा। उसने वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी दी और कहा कि यदि मेरी बात नहीं मानी तो जहर खाकर आत्महत्या कर लूंगा। परेशान होकर छात्रा ने अपने माता-पिता को सारी बात बताई। परिजन अपनी बेटी को लेकर थाने पहुंचे और सीनियर छात्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया।

महिला का पीछा कर युवक ने छेड़ा

भोपाल। ऐशबाग पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ पीछा कर छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी काफी समय से महिला को परेशान कर रहा था। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 27 वर्षीय महिला घरेलू काम करती है। वह पहले जिस मकान में रहती थी, वहां सुजीत नामक युवक से पहचान थी। इस दौरान दोनों का घर आना-जाना था। बाद में महिला ने अपनी घर बदल लिया था। पिछले साल नवंबर महीने में सुजीत ने महिला के साथ अभद्रता की तो उसने उसे समझाईश दी थी। उसके बाद सुजीत ने आगे कोई हरकत नहीं की। पिछले दिनों महिला अपने मासूम बच्चे को लेकर आंगनबा?ी जा रही थी, तभी रास्ते में सुजीत ने उसके साथ अश्लील हरकत कर दी। समझाईश के बाद भी जब उसकी हरकतें बंद नहीं हुई तो पी?ता ने थाने जाकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

दूर के रिश्तेदार ने युवती से घर में घुसकर किया जबरन दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर पुलिस ने 23 साल की युवती की शिकायत पर विदिशा में रहने वाले दूर के रिश्तेदार के खिलाफ घर में घुसकर बलात्कार व दैहिक शोषण की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी विदिशा से उस समय भोपाल आकर दुष्कर्म करता था जबकि पीड़िता घर में अकेली होती थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक छोला मंदिर क्षेत्र में रहने वाली 23 साल की युवती घरेलू काम करती है। मां निजी अस्पताल में सफाई कर्मचारी है। युवती के दूर के रिश्तेदार सचिन अहिरवार का घर में आना-जाना था। पुलिस ने बताया कि विगत दो नवंबर 2024 को सचिन विदिशा से भोपाल आया था। वह उस समय युवती के घर पहुंचा जब उसकी मां ड्यूटी पर अस्पताल गई थी। इस बीच घर में घुसकर आरोपी ने युवती से दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी थी। डर के मारे युवती ने अपनी मां को कुछ नहीं बताया। युवती की खामोशी को उसकी कमजोरी भांपते हुए आरोपी ने कई बार युवती के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने पिछली बार 19 जनवरी को आरोपी ने युवती का दैहिक शोषण किया था। पुलिस ने बताया कि विगत दिवस जब युवती को पीरियड नहीं आए तो उसने अपनी मां को सारी बात बता दी। मां अपनी बेटी को थाने लेकर पहुंची और प्रकरण दर्ज करा दिया।

दुष्कर्म का वीडियो बनाकर युवती से सामूहिक रेप

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र के एक कस्बे में 19 साल की युवती से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना गत 23 जनवरी की है। दरअसल, युवती के साथ अक्टूबर 2024 में आरोपी ने दुष्कर्म किया था। इस दौरान आरोपी युवक के साथ मौजूद उसके दोस्त ने दुष्कर्म का वीडियो बना लिया। इसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर आरोपियों ने 23 जनवरी को पी?ता से सामुहिक दुष्कर्म किया। पी?ता ने घटना की शिकायत परिजन को की थी। इसके बाद मामला थाने पहुंच गया। पुलिस ने दोनो आरोपियों के खिलाफ सामुहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।
पुलिस के अनुसार 19 साल की युवती गुनगा थाना क्षेत्र के एक कस्बे में रहती हैं। वह घरेलू कामकाज करती है, जबकि परिजन मजदूरी करते है। इसी इलाके में रहने वाले आमिर से उसकी पहचान थी। दोनों में दोस्ती बड़ने के बाद आमिर ने उसे शादी का प्रलोभन दिया और उससे शारीरिक संबंध बनाए। गत 14 अगस्त 2024 को आमिर ने युवती से शारीरिक संबंध बनाए थे। उसके दोस्त फारुख ने दुष्कर्म का वीडियो बना लिया।

निगरानी बदमाश ने जहर खाया पुलिस पर प्रताड़ना के आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र में रहने वाले एक निगरानी बदमाश ने जहरीला पदार्थ खा लिया। वह गौ-वंश वध अधिनियम, जुआ में गिरफ्तार हो चुका है। उसने और और उसके परिवार ने ऐशबाग पुलिस पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं।

डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने दावा किया कि युवक इलाके में अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर आपराधिक गतिविधियों को संचालित करता है। पुलिस ने हालही में जब इनके गिरोह के सदस्यों पर कार्रवाई शुरू की तो पुलिस पर दबाव बनाने जहर खाने का नाटक किया। जहर खाने वाले युवक का आपराधिक रिकार्ड है। वह पूर्व में गौ-वंश वध अधिनियम, जुआ एक्ट में पकड़ा जा चुका है।

पुलिस के अनुसार जनता क्वार्टर निवासी 32 वर्षीय निगरानी बदमाश फरहान उर्फ चिकना को ऐशबाग पुलिस ने 28 जनवरी को 102 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया था। उसकी पूछताछ में पता चला कि उसका भाई अली और रेशमा नाम की महिला भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है। पुलिस ने रेशमा को भी आरोपी बनाया। थाने से जमानत देने के लिए पुलिसकर्मी पवन रघुवंशी ने फोन कर बुलाया। इसकी उसने रिकार्डिंग कर ली।

रेशमा ने की कॉल रिकॉर्डिंग

डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि रेशमा को बुलाने के लिए पुलिसकर्मियों ने कॉल किया था। जिसकी उसने रिकार्डिंग कर ली। बाद में सोशल मीडिया में रिकार्डिंग वायरल कर दी गई। रिकार्डिंग में पुलिसकर्मियों की तरफ से कोई पैसों की मांग नहीं की गई। न ही डराया-धमकाया गया। रेशमा खुद आरोपी है। वह बचने के लिए पुलिस पर बेबुनियात आरोप लगाने लगी। अली भी यही कर रहा है। इस मामले में किसी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है। रेशमा पर भी तीन अपराध हैं।

ट्रक से टकराकर बाइक सवार की मौत

भोपाल। बिलखिरिया इलाके में ट्रक से टकराकर बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार अजय यादव (20) पीपुल चौराहा करोंद थाना निशातपुरा में रहता था। शनिवार सुबह करीब ग्यारह बजे वह अपनी बाइक से बायपास मार्ग होकर बिलखिरिया की तरफ काम से जा रहा था। सीएपीटी चौराहे के पास ब्रेकर पर आगे चल रहा ट्रक अचानक धीमी हुआ तो अजय की बाइक ट्रक के पीछे जाकर टकरा गई। इस हादसे में अजय को गंभीर चोट आई थी। उसे इलाज के लिए भानपुर स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कुछ देर बाद ही उसने दम तो? दिया। पुलिस ने अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और लाश परिजन को सौंप दी है। मामले की जांच की जा रही है।

मेट्रो एंकर बुजुर्ग की मौत, डॉक्टर बोले बाहरी चोट नहीं, पीएम रिपोर्ट का किया जा रहा इंतजार

पूजा में आए युवक को भलाबुरा कहा तो विवाद, पथराव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित चांदपुर गांव में शनिवार रात दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद के बाद दोनों पक्षों ने एक दूसरे के साथ मारपीट कर दी। इतना ही नहीं आरोपियों ने एक दूसरे के घर पर पथराव भी किया है। इस विवाद में एक बुजुर्ग की तबीयत बिग?ने से मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि उनके साथ मारपीट गई है। हालांकि डॉक्टर का कहना है कि बुजुर्ग को बाहरी चोट नजर नहीं आ रही है। लिहाजा पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

पुलिस के अनुसार नैन नारायण सिंह (60) गांव चांदपुर में रहते हैं। उनके समधी भगवान सिंह शनिवार को ट्रैक्टर खरीदकर लाए थे। शाम को पूजा हो रही थी। इस दौरान पूजा में मोहल्ले में रहने वाला रोशन लोधी भी पहुंचा था। नैन सिंह और भगवान सिंह परिवार के साथ पूजा कर रहे थे। भगवान ने रोशन को पूजा में देखा और उसे भलाबुरा कहने लगा। भगवान सिंह का कहना है कि इसे पूजा में किसने बुला लिया। यह बात रोशन को बुरी लगी और वह चला गया। रात करीब 9 बजे रोशन शराब के नशे में भगवान सिंह के घर पहुंचा और विवाद करने लगा। रोशन के साथ पहुंचे मुकेश, अभिषेक और रोशन के भाई ने गालीगलौज करते हुए पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान दोनों पक्षों की तरफ एक दूसरे के साथ मारपीट की गई।

भगवान सिंह ने भी किया पथराव

यह विवाद कुछ देर के लिए थमा था। बाद में भगवान सिंह, आकाश, सूरज, मोनू और जितेंद्र रोशन लोधी के घर के सामने पहुंचे और पथराव कर दिया। यहां भी दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई। कुछ देर चले विवाद के बाद यहां भी विवाद शांत हो गया। विवाद के बाद देर रात भगवान सिंह के समधी नैन सिंह की तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। नैन सिंह के परिजन का आरोप है कि आरोपी पक्ष के द्वारा नैन सिंह से मारपीट की गई है।

पुलिस ने दर्ज किया काउंटर प्रकरण

पुलिस ने उक्त मामले में भगवान सिंह की शिकायत पर देर रात ही रोशन, मुकेश, अभिषेक और रोशन के भाई पर मारपीट, तोड़फोड़ समेत पथराव करने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया था। रविवार को रोशन लोधी की शिकायत पर भगवान सिंह, आकाश, सूरज, मोनू और जितेंद्र के खिलाफ मारपीट, पथराव और तोड़फोड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। फिलहाल जांच शुरू कर दी गई है।

मोबाइल चुराने वाला बदमाश पकड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक रेल राहुल कुमार लोढ़ा ने यात्री ट्रेनों और प्लेटफार्म होने वाली चोरी की घटनाओं को रोकने और बदमाशों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में इटारसी जीआरपी थाना प्रभारी रामस्नेह चौहान और उनकी टीम ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से सवा 2 लाख रुपए कीमत के कुल 7 मोबाइल फोन जब्त किये गए हैं। वह चलती ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी करता था। जानकारी के अनुसार मुखबिर से मिली सूचना के बाद पुलिस ने एक संदेही सूरज धुर्वे उर्फ हनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इस पर उसने प्यासा नगर, इटारसी निवासी राजा उर्फ राजाबाबू महतो (18) से एक मोबाइल फोन और एक घड़ी खरीदना बताया, जिसे जब्त किया गया। पुलिस ने सूरज की निशानदेही पर राजा महतो को हिरासत में लिया तो उसने चलती ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी करना स्वीकार किया। चोरी के मोबाइलों को अपने घर पर छिपाकर रखा होना बताया। पुलिस ने निशानदेही पर रियलमी, वन प्लस, मोटोरोला, ओप्पो समेत विभिन्न कंपनियों के कुल 6 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी कीमत सवा दो लाख रुपए बताई गई है। युवती ने दर्ज कराई थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022